



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 53] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 31, 1977 (पौष 10, 1899)
No. 53] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 31, 1977 (PAUSA 10, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 2 दिसम्बर 1977

नई दिल्ली-110011, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32014/1/77 प्रशा० III(1)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32011/1/77 प्र०-III, दिनांक 1-10-77 के अनुक्रम में संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को राष्ट्रपति द्वारा 12-11-77 से 29-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/77-प्रशा०-III(2)—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32011/1/77-प्र० III नाक 1-10-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री बी० आर० बमरा को, राष्ट्रपति द्वारा 20-11-77 से 31-12-77 तक की अतिरिक्त अवधि के लिये, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

1-396GI/77

सं० ए० 12025/2/76-प्रशा०-I—कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग के कां०शा०सं० 9/14/76-सी०ए० (II) दिनांक 14-11-1977 के अनुसरण में राष्ट्रपति द्वारा श्री एम० एल० खण्डूरी, स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ग) को संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में 17-11-1977 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक उसी संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक/सहायक (के० सं० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है।

दिल्ली उच्च न्यायालय में निलंबित 1975 की सिविल रिट याचिका सं० 284 के निर्णय की शर्त के अनुसार ही श्री खण्डूरी की नियुक्ति होगी।

प्र० ना० मुखर्जी,
अवर सचिव

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० एफ० 2/9/77-स्था०(सी०आर०पी०एन०)/पर्स 2—
राष्ट्रपति, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के कमांडेंट श्री आर० के०

(6011)

मेहरा को, जो इस समय भारत तिब्बत सीमा पुलिस में प्रतिनियुक्ति पर हैं, 15-9-77 (अपराह्न) में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उप महानिरीक्षक के रैंक में प्रोफार्मा पदोन्नति की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

च० चक्रवर्ती,
निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

सं० ओ० 2 II-142/76-स्था०—मेजर डी० एस० थापा ने स्थल सेना में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 23 नवम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से 3 मिनटल बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ा।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 5 दिसम्बर 1977

सं० ई-38013(3) 8/77-कार्मिक—स्थानांतरित होने पर, श्री पी० के० लहरी ने 6 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न से के० ओ० सु० ब० यूनिट अलाय इस्पात संयुक्त, दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ली० मि० बिष्ट,
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकरण का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

सं० पी०/पी०(35) प्रशा०-I—इस कार्यालय की दिनांक 23-1-76 की समसंख्यक अभिसूचना की अनुवर्ती में, राष्ट्रपति, भारत निर्वाचन आयोग सचिवालय में स्थाई हिन्दी अनुवादक, श्री कृष्णा नन्द पन्त की, भारत के महापंजीकरण के कार्यालय में, स्थानान्तरण द्वारा प्रतिनियुक्ति को दिनांक 17 जनवरी, 1977 से 31 दिसम्बर, 1977 तक, अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से भरा जाए, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

श्री पन्त का मुख्यालय नई दिल्ली में ही रहेगा।

दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० 25/8/73-आर० जी०(प्रशा०-1)—उड़ीसा सरकार के अन्तर्गत, पूर्वाधिकारी की प्राप्ति करने पर सरकारी सेवा में, सेवानिवृत्त होने पर, श्री वी० त्रिपाठी ने, पदेन रूप से सभाभा हुआ है, उड़ीसा के जनगणना कार्य निदेशक का पदभार अपराह्न 31 अक्टूबर, 1977 से छोड़ दिया है।

सं० पी०/आई०(1)-प्रशा०-I—नागालैण्ड असेमिक सेवा (श्रेणी 1) कनिष्ठ ग्रेड ड के सदस्य, श्री ए० सी० बाल को, राष्ट्रपति, जनगणना कार्य उप-निदेशक, नागालैण्ड के पद पर, प्रतिनियुक्ति आधार पर, पूर्वाह्न 12 सितम्बर, 1977 से अगले आदेश प्रेषित होने तक, सहर्ष नियुक्त करने हैं।

श्री बाल का मुख्यालय कोहिमा में होगा।

सं० 10/13/76-प्रशा०-I—सथ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, राष्ट्रपति श्री अरु लियस पिटू को नियमित आधार पर, अस्थायी रूप से, भारत के महापंजीकरण के कार्यालय में सहायक जनगणना कार्य निदेशक (तकनीकी) के पद पर जिनका मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, पूर्वाह्न 30 नवम्बर, 1977 से, अगले आदेश प्रेषित होने तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० पी०/बी०(48) प्रशा०-I—राष्ट्रपति, भारत के महापंजीकरण के कार्यालय में अन्वेषक (सामाजिक अध्ययन), श्री ई० रामास्वामी, को तारीख 2 दिसम्बर, 1977 के (अपराह्न) से अन्वेषक अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) के पद पर बिल्कुल अस्थायी तथा तदर्थ रूप से इसी कार्यालय में श्री एन० के० बैनर्जी, अन्वेषक अधिकारी (सामाजिक अध्ययन) को अवैतनिक छुट्टी मजूर करने पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बद्री नाथ,
भारत के उप-महापंजीकार
तथा पदेन उप-सचिव

सातवा वित्त आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 दिसम्बर 1977

सं० 7 एफ० सी० 9(6)-ए०/77—सातवें वित्त आयोग में आर्थिक अन्वेषक, श्री जी० पी० साहूनी को, 3 दिसम्बर, 1977 के पूर्वाह्न से अगला आदेश जारी होने तक डेपुटेशन की सामान्य शर्तों पर 700-1300 रुपए के वेतनमान में अनुसंधान अधिकारी नियुक्त किया गया है।

पद्मा लाल सकरवाल,
अवर सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय महालेखाकार गुजरात

अहमदाबाद-1, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

सं० स्था० (ए०) जी० ओ०/3586—महालेखाकार गुजरात ने आधिन लेखा-सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० एन० पिल्लई एवं श्री वी० राजगोपालन नायर (II) को दिनांक 14-11-77 (पूर्वाह्न) से एव 17-11-77 (पूर्वाह्न) से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार गुजरात के कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के रूप में नियुक्ति देने की कृपा की है।

के० पी० लक्ष्मण राव,
उप महालेखाकार (प्र०)

वाणिज्य मन्त्रालय

मुख्य नियन्त्रक आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण

(स्थापना)

सं० 6/806/67-प्रशासन (राज०)/8609—राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के वर्ग-1 के स्थानापन्न अधिकारी श्री आर० पी० बसू को 1 नवम्बर, 1977 से अगला आदेश होने तक मुख्य नियन्त्रक, आयात निर्यात के कार्यालय, नई दिल्ली में उप-मुख्य नियन्त्रक आयात निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

का० वें० शोपाद्रि

मुख्य नियन्त्रक, आयात-निर्यात

उद्योग मन्त्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1977

सं० ए० 19018/264/76-प्रशासन (राजपत्रित)—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिशों के आधार पर राष्ट्रपति जी दिनांक 26 फरवरी, 1977 (पूर्वाह्न) में अगले आदेशों के जारी होने तक के लिये श्री के० वामुदेवन को लघु उद्योग विकास मण्डल में सहायक निदेशक (वर्ग-I) (इलेक्ट्रानिक्स) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (वर्ग-I) (इलेक्ट्रानिक्स) के रूप में नियुक्ति के फलस्वरूप श्री के० वामुदेवन ने दिनांक 26 फरवरी, 1977 (पूर्वाह्न) में लघु उद्योग सेवा संस्थान, कटक में अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया।

वी० वेंकटरायलु

उप निदेशक (प्र०)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1977

सं० प्र०-1/1(125)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में पूर्ति निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड 1) श्री बी० ए० शनाय का दिनांक 2 दिसम्बर, 1977 को देहान्त हो गया।

सूर्य प्रकाश

उप निदेशक (प्र०)

कृते महानिदेशक

पूर्ति तथा निपटान

इस्पत और खान मन्त्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० 5907/बी०/13/76/19 ए०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के लागत लेखापाल श्री डी० के० रायचौधुरी को सहायक लागत-लेखा-अधिकारी के रूप में, उसी विभाग में वेतन नियमा-

नुसार 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2 नवम्बर, 1977 से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 5960/बी०/2181 (एस० के० आर०)/19सी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भूतपूर्व रसायनज्ञ (कनिष्ठ) डा० एस० के० राय को सहायक रसायनज्ञ के पद पर 7 मई, 1976 से स्थायित्व घोषित किया जा रहा है।

बी० के० एस० बरदन

महा निदेशक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली 1, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

सं० एफ० 11-9/77-ए०-I—अभिलेख निदेशक, भारत सरकार एतद्वारा सघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर कुमारी मीना कुमारी शर्मा को नियमित अस्थाई आधार पर 26-11-77 के पूर्वाह्न में आगामी आदेशों तक अभिलेखाधि-कारी (सामान्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

ह० अरुणनीय
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1977

सं० 4(15)/77-एस०-I—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री निरजन सि० घाटे को आकाशवाणी, नागपुर में 21-11-1977 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 9 दिसम्बर 1977

सं० 4(76)/77-एस-I महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री पी० एम० गोपालकृष्ण को आकाशवाणी, हैदराबाद में 16-11-1977 से अगले आदेशों तक, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थाई रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० 4(9)/75-एम०-I—श्री जी०एस० हीरनयप्पा, स्थाना-पन्न कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, मंगलूर की सेवाएं, सक्षम प्राधिकारी द्वारा, 26 अक्टूबर, 1977 में समाप्त की गई थी।

नन्द किशोर भारद्वाज

प्रशासन उप निदेशक

कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० ए० 12025/9/77-एस०-I—राष्ट्रपति ने श्री योगिन्द्र कुमार अग्रवाल को, जो इस समय सरकारी मेडिकल स्टोर डिपो, गोहाटी में उप सहायक महानिदेशक (मेडिकल स्टोर) के पद पर तदर्थ आधार पर काम कर रहे हैं, 16 नवम्बर, 1977 अपराह्न से उसी मेडिकल स्टोर डिपो में उसी पद पर नियमित आधार पर अस्थाई रूप में नियुक्त किया है।

मगत सिंह

उप निदेशक प्रशासन

कृषि और सिंचाई मंत्रालय

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन और निरीक्षण निदेशालय

प्रधान शाखा कार्यालय

नागपुर, दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० 3(13)/57/76-वि०—II-भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग), सीमा शुल्क अधिनियम सख्या 174 सी० ए० एस० दिनांक 26 दिसम्बर 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं एतद्वारा श्री आर० बी० कोठे, सहायक विपणन अधिकारी को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से पशु अंतर्द्विआ, ऊत, दूधलोम और अजालोम, जिनका श्रेणीकरण पशु अंतर्द्विआ श्रेणीकरण और चिह्नन (सशोधन) नियम, 1975 ऊत, श्रेणीकरण और चिह्नन (सशोधन) नियम, 1977, दूधलोम श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1975 और अजालोम श्रेणीकरण और चिह्नन (सशोधन) नियम 1962 के उपबन्धों के अनुसार किया जा चुका है, और जिनका निर्यात उपरोक्त अधिसूचनाओं के अधीन है, के संबंध में श्रेणीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिये प्राधिकृत करता हूँ।

जे० एम० उपल।

कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र

कार्मिक विभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० 5/1/77-स्थाप०—II/4663—राजस्थान परमाणु विजली परियोजना से तबादला होने पर, उसी परियोजना के श्री वेकटाचारी राजगोपालन, एक स्थाई सेलेक्शन ग्रेड क्लर्क और स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी, दिनांक 26 अक्टूबर 1977 के पूर्वाह्न में अगले आदेशों तक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में, सहायक प्रशासनिक अधिकारी के ग्रेड (र० 650-960) में एक स्थानापन्न अधिकारी नियुक्त किए जाते हैं।

बी० एम० खानु

उपस्थापना अधिकारी

हुते नियंत्रक

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 24 नवम्बर 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(236)/77-प्रशासन/15772—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक इस प्रभाग के एक अस्थायी वैज्ञानिक सहायक-सी० श्री टी० प्रेमचन्द्रन को उसी प्रभाग में 1 अगस्त, 1977 से अगले आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० वी० थाटे

प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400 001, दिनांक 28 नवम्बर 1977

सं० डी० पी० एम०/2/1/(25)/77-स्थापना/34670—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के निम्नलिखित व्यक्तियों को उसी निदेशालय में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 1 अक्टूबर, 1977 (पूर्वाह्न) से 31 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) तक के लिये तदर्थ आधार पर रूपए 650-30-740-35-880-द० री०-40-960 के वेतनमान में नियुक्त करते हैं।

1 श्री नेल्लुवाई हरिहर अय्यर कृष्णन्, लेखाकार

2 श्री जगन्नाथ गोपाल भाठे, सहायक लेखाकार

सं० डी० पी० एम०/23/8/77-स्थापना/34690—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय के लेखाकार श्री एन० एच० कृष्णन् को इस निदेशालय में रूपए 650-30-740-35-880-द० री०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 17 दिसम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से 30 दिसम्बर, 1977 (अपराह्न) तक की अवधि के लिये तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री बी० के० पोतदार के स्थान पर की जा रही है, जिनकी नियुक्ति लेखा अधिकारी-II के पद पर की गई है।

बी० जी० कुलकर्णी

हुते प्रशासन अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 6 दिसम्बर 1977

सं० ए० एम० डी०-1/20/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री आर० रामेश्वरन को 5 अक्टूबर 1977 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (ड्रिलिंग) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/20/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री ग्राम प्रकाश माहू को 5 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (ड्रिलिंग) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/20/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री स्वप्न कुमार विश्वास को 5 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (ड्रिलिंग) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

सं० ए० एम० डी०-1/20/77-प्रशासन—परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, श्री अरुण कुमार श्रीवास्तव को 5 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से लेकर आगामी आदेश जारी होने तक

के लिये उसी प्रभाग में स्थानापन्न रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर (ड्रीलिंग) ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एस० रगनाथन
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण
(केन्द्रीय कार्यालय)

मुम्बई-039, दिनांक 2 दिसम्बर 1977

सं० ए० पी० ए०/प्रशामन/16/3/73—परमाणु ऊर्जा प्राधिकरण (केन्द्रीय कार्यालय) के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक श्री बी० आर० रेगे, स्थायी लेखाकार को उसी कार्यालय में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर 18 जून 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

आर० वीरा राघवन
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

शुद्धि पत्र

नई दिल्ली-3, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

सं० ई० (1) 08054—इस कार्यालय की दिनांक 6-8-77 की अधिसूचना संख्या ई० (1) 08054 के पैरा 1 की अन्तिम पंक्ति में लिखी गई तारीख 25 मई, 1977 के स्थान पर कृपया 27 मई 1977 पढ़ा जाए।

गुरुमुख राम गुप्ता
मौसम विज्ञानी
कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/77-ई० डब्ल्यू०—राष्ट्रपति ने श्री एन० गोपाल, विद्युत् और यांत्रिक अधिकारी को 29 सितम्बर, 1977 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली में रुपए 1100-50-1600 के वेतनमान में सहायक निदेशक (उपस्कर) के ग्रेड में नियुक्त किया है।

दिनांक 30 नवम्बर 1977

सं० ए० 38012/1/77-ई० सी०—वैमानिक संचार स्टेशन, भोपाल के श्री ए० के० रामास्वामी सहायक संचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर 31-10-1977 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सं० ए० 39012/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास यूनिट, नई दिल्ली के कार्यालय के श्री वी० मनुज, तकनीकी अधिकारी का 12 सितम्बर, 1977 (अपराह्न) से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

दिनांक 6 दिसम्बर 1977

सं० 38012/1/77-ई० सी०—नागर विमानन विभाग के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाने पर 31-10-1977 (अपराह्न) में अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है —

| क्रम सं० | नाम और पदनाम | तैनाती स्टेशन |
|----------|---|---------------|
| 1. | श्री सी० वी० बैकटेशन, सहायक निदेशक संचार | मुख्यालय |
| 2. | श्री एम० सी० जैन, वरिष्ठ संचार अधिकारी | मुख्यालय |

सं० ए० 32013/9/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित सहायक तकनीकी अधिकारियों को उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से 6 मास की अवधि के लिए या ग्रेड में नियमित नियुक्तियां होने तक, इसमें से जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के नाम के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है। उच्चतर पद का कार्यभार ग्रहण करने की तारीख प्रत्येक के नाम के सामने दी गई है।—

| क्रम सं० | नाम | वर्तमान तैनाती स्टेशन | नया तैनाती स्टेशन | कार्यभार ग्रहण करने की तारीख |
|----------|--------------------|--|---|------------------------------|
| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
| 1. | श्री टी० एन० मेहता | नियंत्रक, केन्द्रीय रेडियो भंडार डिपो, नई दिल्ली | निदेशक रेडियो निर्माण और विकास एकक, नई दिल्ली | 28-9-1977 (पूर्वाह्न) |
| 2. | श्री एस० के० शर्मा | वैमानिक संचार स्टेशन, पालम | वैमानिक संचार स्टेशन, पालम | 26-9-1977 (पूर्वाह्न) |

| (1) | (2) | (3) | (4) | (5) |
|-----------------------------|--|---|--------------------------|-----|
| 3. श्री एस० सी० दुरेजा | वैमानिक संचार स्टेशन, सफदरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली | वैमानिक संचार पालम | 26-9-1977 (पूर्वाह्न) | |
| 4. श्री पी० एस० बैकटरमन | वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर | वैमानिक संचार स्टेशन, नागपुर | 28-9-1977 (पूर्वाह्न) | |
| 5. श्री आर० पी० मोहिन्दरा | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली | रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नई दिल्ली | 22-9-1977 (पूर्वाह्न) | |
| 6. श्री के० एन० के० पोदुवाल | वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई | वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई | 27-9-1977 (पूर्वाह्न) | |
| 7. श्री बी० रामाकृष्णा | वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता | वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता | 28-9-1977 (पूर्वाह्न) | |
| 8. श्री डी० पी० अग्निहोत्री | नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद | नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद | 30-9-1977 (पूर्वाह्न) | |
| 9. श्री एन० आर० एन० अय्यंगर | वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी | वैमानिक संचार स्टेशन, गोहाटी | 28-9-1977 (पूर्वाह्न) | |

दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० ए० 32013/1/77-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एस० सी० गोस्वामी, सहायक निदेशक संचार (मुख्यालय) को श्री एम० एम० गुप्ता, उपनिदेशक संचार की 22-10-77 से 49 दिन की छुट्टी रिक्ति में 25-10-1977 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर उपनिदेशक संचार (मुख्यालय) के ग्रेड में नियुक्त किया है।

सत्य वेव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1 दिसम्बर 1977

सं० 1/421/77-स्था०—स्विचिंग काम्प्लेक्स, बम्बई के अस्थायी सहायक अभियंता श्री आर० के० बसल का सेवा से त्यागपत्र 14 अक्टूबर, 1977 के अपराह्न से स्वीकार किया गया है।

दिनांक 8 दिसम्बर 1977

सं० 24/7/76-स्था०—श्री वी० पी० सिंह, सूबेदार, के० आ० पु० द० महानिदेशालय, नई दिल्ली को 17 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक प्रतिनियुक्ति

के आधार पर विदेश संचार सेवा, विदेश संचार भवन, नई दिल्ली में स्थानापन्न रूप से सुरक्षा अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

एस० श्रीनिवासाचार
महानिदेशक

बम्बई, दिनांक 5 दिसम्बर 1977

सं० 1/412/77-स्था०—विदेश संचार सेवा के महा-निदेशक एतद्द्वारा मद्रास शाखा के स्थानापन्न तकनीकी सहायक, श्री पी० श्रीनिवासलु को अल्पकालीन रिक्त स्थान पर 10-5-1976 से 11-6-1976 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए उमी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

एम० एम० कृष्णस्वामी,
प्रशासन अधिकारी
हस्ते महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० क-19012/19/77-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस० ए० शाह, वरिष्ठ अनुसंधान सहायक, कोयम्बटूर गेजिंग प्रभाग, कोयम्बटूर, केन्द्रीय जल आयोग

म. ग. हायक अनुसंधान अधिकारी (रसायन) की श्रेणी में पूर्णतया अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में 31-10-1977 (पूर्वाह्न) से फरवरी, 1978 के अंत तक या इस श्रेणी में नियमित अधिकारी के उपलब्ध होने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० क-19012/628/77-प्रशा० पाँच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एस० पी० मित्तल, वरिष्ठ व्यावसायिक सहायक (हाइड्रो-मेट) को 11 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्न से 9 दिसम्बर, 1977 तक केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रो-मेट) के रूप में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतया अस्थायी और तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

श्री एस० पी० मित्तल ने अतिरिक्त सहायक निदेशक (हाइड्रो-मेट) के पद का कार्यभार केन्द्रीय जल आयोग में 11-10-1977 (पूर्वाह्न) से ग्रहण किया।

जितेन्द्र कुमार साहा,
अवर सचिव,
केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इजीनियर का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

सं० 27 एस०/जी० (9)/73-ई० सी०-II—श्री के० वी० गनेपन, अधीक्षक इजीनियर (सतर्कता) के० लो० निर्माण विभाग नई दिल्ली का 4 दिसम्बर, 1977 को देहान्त हो गया।

सु० सू० प्रकाश राव,
उप प्रशासन निदेशक,
कृते प्रमुख इजीनियर

मध्य रेलवे

सं० एच० पी० बी०/जी०/ए० सी०/पी० एफ०/एम० एम०—श्रीमती माया गुप्ता, आय० आर० ए० एस०, वरिष्ठ कार्यक्रम निर्धारक, बम्बई ने यह इच्छा व्यक्त की है कि विवाह के पश्चात् अब उन्हें श्रीमती माया योगानंद मिन्हा नाम से संबोधित किया जाए। इसे स्वीकार किया गया है और प्रशासन की पुस्तकों में तदनुसार उनका नाम दर्ज किया जायेगा।

पी० आर० पुमालकर,
महाप्रबन्धक

दक्षिण-मध्य रेलवे

मिकन्दगाबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० बी०/185/जी० ए० जेड/मिक०—भारतीय रेल यांत्रिक इजीनियरी सेवा (परिवीक्षाधीन) के निम्नलिखित अधिकारियों को दक्षिण मध्य रेलवे पर प्रत्येक के सामने लिखी हुई तारीख में उसी सेवा की श्रेणी I/अवर वेतनमान में स्थायी किया जाता है :—

| क्रम | नाम | स्थायी करने की तारीख |
|------|--------------------------|----------------------|
| 1. | श्री आर० घोष मजुमदार | 6-4-1976 |
| 2. | श्री वाई० शिवकंठहारा | 1-5-1976 |
| 3. | श्री एन० एस० कस्तूरी रगन | 30-9-1976 |
| 4. | श्री मुखमदिर सिंह | 19-1-1977 |

टी० एम० तोमस,
महाप्रबन्धक

निर्माण, आवास, पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन

जेपुर-764003, दिनांक 7 दिसम्बर, 1977

सं० पी० 2/104/77—मंडल अभियंता-4, पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, शाहपुर (जिला-बेतूल, म० प्र०) के कार्यालय में सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री जय सिंह आहूजा को विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर दिनांक 2-12-1977 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी (सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप 'बी०') के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में पदोन्नति दी जाती है। उपर्युक्त दिन से 2 वर्ष की अवधि के लिये उन्हें परिवीक्षा पर रखा जाता है।

श्री जय सिंह आहूजा ने दिनांक 2-12-1977 के पूर्वाह्न से लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार मुख्य यांत्रिक अभियंता के कार्यालय, पुनर्वास भूमि उद्धार संगठन, जेपुर, जिला कोरापुट (उड़ीसा) में सभाला।

एम० पट्टनायक,

ले० कर्नल (सेवा-नियुक्त)

मुख्य यांत्रिक अभियंता

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री दण्डायुदपानी हाई स्कूल कमिटी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० 2864/560 (3)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री दण्डायुदपानी हाई स्कूल कमिटी

प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दि सीनापुरम रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

सं० 4663/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि दि सीनापुरम रोडवेज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गुरु ट्रान्सपोर्ट्स लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

सं० 5104/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि गुरु ट्रान्सपोर्ट्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी आटो साइकल्स लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 13 दिसम्बर, 1977

सं० 5512/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद् द्वारा सूचना दी जाती है कि लक्ष्मी आटो साइकल्स लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

सी० अच्युतन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार,
तामिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और रफीग-वफीग लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 7 दिसम्बर, 1977

सं० 7025/560 सी० 37/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख तीन मास के अवसान पर रफीग-वफीग लेदर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पेकिंग्स एण्ड एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

सं० 5472/560 (5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि पेकिंग्स एण्ड एक्सेसरीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

के० पंचापकेशन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
मद्रास

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स कुडेगली सान्तोना माईन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

गोवा, दिनांक 18 दिसम्बर, 1977

सं० 305/9—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स कुडेगली सान्तोना माईन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

द० रा० धरोटे,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
गोवा दमण और दीव

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेट्रोपोलीटन फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड (लिक्वीडेशन) के विषय में।

जलन्धर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

सं० जी०/स्टेट०/560/162—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि मेट्रोपोलीटन फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड (लिक्वीडेशन) का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सत्य प्रकाश तायल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स नोलथीयाफाईनेसर्स प्राइवेट लिमिटेड, 1225, बाबा हरीण चन्द्र मार्ग, गली लीलावाली, जयपुर के सम्बन्ध में।

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

सं० साख्यकी/1695—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स नोलथीयाफाईनेसर्स प्राइवेट लिमिटेड, जयपुर का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स लिबर्टी क्लब लिमिटेड, द्वारा श्री बमन्त कुमार खथुरिया, पुत्र श्री बहादुर चन्द, मस्जिद रोड, कोटा के सम्बन्ध में

जयपुर, दिनांक 9 दिसम्बर, 1977

सं० साख्यिकी/1578—कम्पनी अधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स लिबर्टी क्लब लिमिटेड, कोटा का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित नहीं किये गये तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

राम दयाल कुरील,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 एव मेसर्स सी० इ० आई० इलेक्ट्रीकल इन्डस्ट्रीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 12 दिसम्बर, 1977

सं० 14325/560(3)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स सी० इ० आई० इलेक्ट्रीकल इन्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न

किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

श्री राम,
कम्पनियों का महायुक्त रजिस्ट्रार,
महाराष्ट्र

आय-कर अपील अधिकरण

बम्बई-400020, दिनांक 20 नवम्बर, 1977

सं० एफ० 48-ए० डी० (ए० टी०)/77-ख० 2—श्री एम० के० दलवी, वैयक्तिक सहायक, उपाध्यक्ष, आय-कर अपील अधिकरण (उत्तरी अंचल), नई दिल्ली को श्री सी० एल० भनोट, महायुक्त पजीकार, आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ जिनकी छुट्टी मजूर की गयी, के स्थान पर अवकाश रिक्ति में महायुक्त पजीकार के पद पर आय-कर अपील अधिकरण, दिल्ली न्यायपीठ, नई दिल्ली में रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान पर दिनांक 14 नवम्बर, 1977 से 13 जनवरी, 1978 तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

उपर्युक्त नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और यह श्री एम० के० दलवी को उसी श्रेणी में नियमित नियुक्ति के लिए कोई दावा नहीं प्रदान करेगी और उनके द्वारा तदर्थ आधार पर प्रदत्त सेवाएं न तो बरीयता के अभिप्राय से उस श्रेणी में परिगणित की जाएगी और न दूसरी उच्चतर श्रेणी में प्रोक्षित किये जाने की पात्रता ही प्रदान करेगी।

पी० डी० माथुर,
अध्यक्ष

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री दादी एन० जे० दादी, (2) खुरशद एन० जे० दादी, (3) होमी एन० जे० दादी।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

(2) मोन्ट ब्लास होटल्स प्रा० लि०

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, बंबई

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

बम्बई, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० अ० द० -1/ 2027-43/अप्रैल 77 —अतः,
मुझे, एफ० जे० फर्नान्डीज,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० एन० न० 572 का मालाबार एण्ड कबा०
हिल डिवीजन है तथा जो दादी सेठ हिल में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-4-77
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और (अन्तरिती)
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से तथित नहीं किया गया है :—

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20 में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची जैसा कि विलेख न० 982/ 71 बंबई उपरजिस्ट्रार
अधिकारी द्वारा दिनांक 18-4-1977 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

एफ० जे० फर्नान्डीज
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, बंबई

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उद्घारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

तारीख : 13 दिसम्बर, 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री अनुरागिह बसंतराय सगतानी (2) भगवान सिंह बसंत राय सगतानी । (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) अनुर अपार्टमेंट को० आप० हाउ० सो० लि० (अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) सोसायटी के सदस्य (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, बंबई

बंबई, दिनांक 13 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० अ० इ० 1/ 2031-47/ अर्प्र०-77 :—अतः, मुझे, एफ० जे० फर्नान्डो

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सी० एम० नं० 521 कोलाबा डिवाजन है तथा जो अर्थर बदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-4-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनोद नं० 764/72/ बंबई उप रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 27-4-77 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

एफ० जे० फर्नान्डो
सहायक प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, बंबईतारीख : 13 दिसम्बर 1977
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 77

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1297 (614) / 16-6/77-78 :—यत, मुझे, एम० सी० परीख,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 19, नूतन नगर को० ओ० हा० सोमायटी है, जो कलावाड रोड, राजकोट, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1970 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-6-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री योगेश कुमार नरेनदास बडीयानी, पावर ऑफ़ एटरनी होल्डर, श्री हरजी भाई दया भाई दत्ताणी, रजब महल, 144, महर्षि कारखे रोड, बम्बई।

(अन्तरक)

(2) श्री नंद किशोर उत्तम लाल मपारा, बैंक आफ बड़ौदा, उपलेटा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के आय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल संपत्ति जो 331-0-0 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका प्लॉट नं० 19, नूतन नगर को० ओ० हाउसिंग सोमायटी है तथा जो कलावाड रोड पर राजकोट में स्थित है।

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 14-12-1977

मोहर .

प्रारूप आर्टि. टी. एन. एस.—

(1) मैमर्स मयूर कैम्पल, मजेवाड़ी दरवाजा के बाहर,
जूनागढ़ ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(2) मैमर्स माधव इण्डस्ट्रीज की ओर से भागीदार —
मगनलाल जी भाई मजेवाड़ी गेट के बाहर,
जूनागढ़ ।

(अन्तरिती)

अर्जन रेंज-1, कार्यालय अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं. एस. सी. व्यू. 23-1-1292 (615) /11-1/-
77-78 —प्रत., मुझे, एस. सी. परीख,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक हैऔर जिसकी सं. प्लॉट नं० 92, 93, 103, 104, 105
तथा 106 है, जो मजेवाड़ी गेट के बाहर, जूनागढ़ में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जूनागढ़ में भारतीय रजि-
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
23-6-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूसे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) प्रकरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त समाप्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो जूनागढ़ या न्या गोडाऊन, एक मजिल
वाली किम बिल्डिंग, तथा कम्पाउण्ड वाल है तथा जो
3153 65 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जिसका स्तर प्लॉट
नं० 92, 93, 103, 104, 105 तथा 106 है तथा जो मजेवाड़ी
गेट के बाहर, जूनागढ़ में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 23-6-77
वाले बिक्री दस्तावेज नं० 815 में दिया गया है ।

एस. सी. परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 कार्यालय

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर, 77

निर्देश सं० ए० सी० न्यू० 23-1-1248 (611) /5-6/
77-78 —यतः, मुझे एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 12, महुवा रोड के पास है, जो एम० टी०
वर्कशाप के सामने, महुवा रोड, सावर कुडला, भावनगर में स्थित
है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सावर कुडलामें भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 21-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आगतियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री मोहनलाल माधवजी, पावर ऑफ एटार्नी होल्डर
श्री बालाशंकर गिरजाशंकर त्रिवेदी, सावरकुडला ।
(अन्तरक)

(2) युगांतर को० ओ० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्रमुख
श्री रमणीकलाल दयालजी,
सेक्रेटरी बटुकदाम सुन्दरदाम, सावरकुडला
फोन नं० 364515 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

खुली जमीन वाला प्लॉट जिसका कुल क्षेत्रफल 2 एकड़
38 गुंठा है तथा जिसका सर्वे नं० 12 है तथा जो एम० टी०
वर्कशाप के पास, महुवा रोड पर सावरकुडला में स्थित है ।
तथा जिसका पूर्ण वर्णन बिक्री दस्तावेज नं० 682 में दिया
गया है ।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन-रेंज 1, अहमदाबाद

तारीख : 14-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 77

निदेश सं० ए० सी० ब्यू० 23-1-1340(612)/16-6/77-78 —यत, मुझे, एम० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० है, जो डॉ० याज्ञिक रोड, राजकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-4-77 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मन्मथेन जयशंकर द्विवेदी, मार्फत कीरीट जयशंकर, "पिवृम्मिनी" 3, जनकल्लोण सोमायटी, राजकोट। (अन्तरक)

(2) श्री लाभशंकर वजेशकर त्रिवेदी, डॉ० याज्ञिक रोड, राजकोट। (अन्तरिती)

(3) 1. श्री तन्ना

2. श्री इन्दूभाई ध्यास

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्रोप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 377-7-0 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा जो याज्ञिक रोड पर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 26-4-77 वाले बिक्री वस्तुबेज नं० 796 में दिया गया है तथा जिसकी सीमाएँ निम्नलिखित हैं —

पूर्व : 30' का रोड,

पश्चिम : डॉ० याज्ञिक रोड,

उत्तर : 30' का रोड

दक्षिण : डॉ० याज्ञिक रोड,

एस० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-12-77

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) मामबाई मेघजी खेताणी, सुखपुर, ता० भुज०

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 दिसम्बर 77

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-1341 (613)/ 12-2/ 77-78—यत्न, मुझे, एम० सी० परीख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे न० 980, प्लॉट न० 13, घनश्याम सोमायटी है, जो वाणीयावाड नाका के बाहर भुज० में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज० में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-4-77 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिगतों, अर्थात् :—

(2) श्री सुभाष चन्द्र वल्लभदाम रमैया मेहरगली चौक, भुज (कच्छ)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मजिला मकान जो 3000 वर्ग फुट पर स्थित है तथा जिसका सर्वे न० 980, प्लॉट न० 13, घनश्याम नगर है तथा जो वाणीयावाड नाका पर, भुज में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन अप्रैल, 77 वाले बिक्री दस्तावेज न० 364 में दिया गया है।

एम० सी० परीख

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 14-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री जे० पी० रायन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

2 श्रीमती नागरत्नम्मा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

अर्जन रेंज II मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप—

निर्देश सं० 5515/76-77—प्रत., मुझे, के० पोन्नन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 11/3 मि० वि० रामन रोड, मद्रास -4
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मल्लपुर (डाकुमेंट
247/77) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 10-3-1977 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

मद्रास, मल्लपुर, सर सि० वि० रामन रोड, डोर सं० 11/3
म भूमि और मकान।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

के० पोन्नन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, मद्रास

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
वृत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्थात् :—
3—396GI/77

तारीख : 14-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

निदेशन० 425 ए०/अर्जन/महागनपुर/77-78/5539 —
अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 26,000/- रुपए
से अधिक है

और जिनकी स० है तथा जो मुजफ्फरनगर
में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 11-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

1 श्री छोटा एवं इन्धाराम पुत्रगण राजाराम, निवासी
ग्राम बंहरजुडा पोस्ट आपिस मरस्वती नगर,
जिला-महाराष्ट्रपुर (अन्तरक)

2. श्री करनैल मिह पुत्र लहना मिह, मोभा मिह, गजन
मिह, रिछपाल मिह पुत्रगण करनैल मिह, निवासी
ग्राम दादूपुर परगना गोरधनपुर मुजफ्फरनगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अवल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित गांव दादूपुर परगना गोर-
धनपुर मुजफ्फरनगर 85, 000/- के विक्रय मूल्य में बेची
गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 9-12-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 803 ए०/अर्जन/गा० बाब/77-78/5877—

अन०, मुझे, आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो गाजियाबाद
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र प्रसाद, पुत्र लखी राम एव श्रीमती किरन
गुप्ता पत्नी राजेन्द्र प्रसाद निवासी 4649-ए
दरियागज, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार एव अजय कुमार (अवयस्क)
पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद, पिता एव सरक्षक निवासी
4649 ए० दरियागज, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट न० 1 का 1/2 भाग स्थित किरन
एनक्लेव माडेल टाउन जिला गाजियाबाद 31250/- के विक्रय
मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर

तारीख : 10-12-1977
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर, 1977

निदेशन० 804 ए०/अर्जन/गा० बाद/7778/5876.—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-6-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों पर धर्ति :—

(1) श्री राम भरोसे गुप्ता पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी 4649 ए० दरियागंज नई दिल्ली मुस्तार आम विक्रय संपत्ति पन्ना लाल गुप्ता पुत्र काली प्रसाद 105/21, बी० गिरीश घोष रोड लालवा हावड़ा (बंगाल) ।

(अन्तरक)

(2) श्री सजय कुमार एवं अजय कुमार अवयस्क पुत्रगण राजेन्द्र प्रसाद पिता एव सरक्षक निवासी 4649 ए० दरिया गंज, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति प्लॉट नं० 1 का 1/2 भाग स्थित किरन एनक्लेव । माडेल टाउन जिला गाजियाबाद 31,250/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी ।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख 10-12-1977।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर, 1977

निर्देश न० 384ए०/अर्जन/कानपुर/7778/5538.—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, डेरापुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1977 में

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अयोध्या सिंह पुत्र ज्वाला सिंह निवासी बरन ग्राम परजनी परगना डेरापुर, जिला कानपुर (अन्तरक)

(2) श्री विजय सिंह पुत्र गिरवर सिंह निवासी परजनी पोस्ट आफिस बरन परगना डेरापुर जिला कानपुर (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम परजनी परगना डेरापुर जिला कानपुर 33,000/- के विक्रय मूल्य में बेची गयी

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 10-12-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1977

निर्देश न० 743 ए०/अर्जन/बु० शहर/77-78/5540—

अन०, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० है, तथा जो मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार प्राधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री गंगा प्रसाद पुत्र भोजराज निवासी प्रताप पु पोस्ट आफिस खाम परगना अगौता जिला बुलन्दशहर। (अन्तरक)

(2) श्री उम्मेद अली पुत्र अब्दुल शकूर, यासीन खा पुत्र वली मोहम्मद, शफीक मोहम्मद पुत्र मो० इशाक, गुलेमान पुत्र अब्दुल शकूर निवासी गण ग्राम प्रतापपुर परगना अगौता पोस्ट आफिस खाम जिला बुलन्दशहर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम प्रतापपुर परगना अगौता जिला बुलन्दशहर 44660/- के विश्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 10-12-1977

मोहर :

परूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 745 ए०/अर्जन/बु० शहर/7778/5541 :—

अतः, मुझे आर० पी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिनकी म० है तथा जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सरला प्रताप निवासी सुजापुर परगना बरन पोस्ट ग्राफिम धर्मरा करन, जिला बुलन्दशहर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती कृष्णा देवी विधवा स्वर्गीय पृथोदान सिंह निवासी धर्मराकरन परगना बरन, जिला बुलन्दशहर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि स्थित ग्राम काजीपुरा परगना बरन जिला बुलन्दशहर 64,00) के विक्रय मूल्य में बेची गयी।

आर० पी० भार्गव

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख : 10-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर 1977

निदेश न० अमृतसर/44/77-78—यतः, मुझे एम० के०
गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी स० आई० ई० -11/आर० का० हिस्सा है
तथा जो हाइड्र मार्केट अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखन में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जा
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् --

(1) श्री निर्मल चन्द कपूर पुत्र श्री गोकल चन्द कपूर
निवासी 159, माडेल टाउन, सोनीपत।

(अन्तरक)

(2) फर्म परगट सिंह एण्ड सन्स निवासी हाइड मार्केट
अमृतसर द्वारा परगट सिंह पुत्र श्री दियाल सिंह।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति हो)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में मैं अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अप्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 1 ई-11/आर० का हिस्सा जो हाइड मार्केट
अमृतसर में स्थित है, जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता विलेख सख्या 167
अप्रैल, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में
लिखा है।

एम० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 24.11.77

मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 24 नवम्बर, 77

निर्देश न० अमृतसर/ 45/77-78:—यत, मुझे एस० के०

गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० आई० ई०-11/ आर० का हिस्सा है तथा जो हाइड मार्किट, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अग्न्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4-396GI/77

1 श्रीमती चंचल कपूर पत्नी श्री एन० सी० कपूर निवासी 159, माडेल टाउन, सोनीपत।

(अन्तरक)

2 फर्म परगट सिंह एण्ड सन्स, हाइड मार्किट, अमृतसर द्वारा श्री परगट सिंह पुत्र श्री दयाल सिंह

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई कोई किरायेदार हो। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

व्यष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति न० 1 ई०-11/आर० का हिस्सा, जो हाइड मार्किट अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत बिलेख संख्या 166 अप्रैल, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर, अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेज अमृतसर

तारीख : 24-11-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

निदेश न० अमृतसर/46/77-78 '—यत', मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० प्लॉट नं० 55 बी० है, तथा जो अर० बी० प्रकाशचन्द रोड अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित वाक्यों, पर्याप्त:—

1. श्री जतिन्दर सिंह अग्रवाल पुत्र श्री कुन्दन लाल अग्रवाल, निवासी बाम्बे, 11 न० रोड (अन्तरक)

2. श्री सदाजीत पुत्र श्री मोतीराम विजय कुमार, रमन कुमार, बिमल कुमार पुत्रगण सदाजीत अग्रवाल, निवासी म० न० 229/11, गली बाम्बे कटरा बाघ, अमृतसर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

वह उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सम्पन्न होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भू-खण्ड नं० 55-बी, अर० बी० प्रकाशचन्द रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत धिलेख संख्या 188 अप्रैल, 1977 शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोयल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख : 14-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

निर्देश न० अमृतसर/47/77-78 —यत, मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 4 है, जो गार्डन कालोनी, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल भिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1 श्रीमती कृष्णावती पत्नी श्री रामलाल निवासी किला भंगीयान, अमृतसर (अन्तरक)
- 2 सर्वश्री रवी कुमार, राजिन्दर कुमार, राकेश कुमार पुत्रगण श्री रोशनलाल, निवासी कटरा डूलो, अमृतसर (अन्तरित)
- 3 जैमा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई व्यक्ति हो (वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में संपत्ति है)।
- 4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में गंचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड न० 4, गार्डन कालोनी, टाउन प्लानिंग आफिस के पास जैमा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 373 अप्रैल, 1977 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख . 12-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

निर्देश नं० अमृतसर /48/77-78 —यत, मुझे, एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो बसौधा सिंह रोड, अमृतसर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री प्रेमनाथ पुत्र श्री मायाराम एवं श्रीमती विद्यावती पत्नी श्री मायाराम, निवासी कटरा खजाना गली जलियान, अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्री सोमनाथ पुत्र श्री रामधन मल, निवासी कोठी नं० 95, गली नं० 3, दयानन्द नगर अमृतसर

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 73 अप्रैल, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर, अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख :
मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री बैताल पुर सुगर मिल देवरिया

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निर्देश न० 156/ए.यू.—अतः, मुझे अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी स० 385, वार्ड नं० 5 भरोलीबाजार,
देवरिया में स्थित है (और हमने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवरिया
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्त-
रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-
नियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन

2. श्रीपृथ्वी राज अरोरा, बैतालपुर सुगरमिल, देवरिया
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति न० 385, वार्ड नं० 5, स्थित भरोली बाजार
टप्पा देवरिया, परगना सलेमपुर मझौली, जिला देवरिया मकान
भूमि सहित तिसरा क्षेत्रफल / 4247 स्क्वियर फीट जैसा कि फार्म
37-जी० नं० 532 दिनांक 1-4-77 तथा सेल डीड् दिनांक
31-3-77 में है अब रजिस्ट्रार देवरिया कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कवर विश्व जीत सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सुषमा अग्रवाल विक्तेता

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) विक्तेता ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 77

निर्देश नं० 156-एस०/ए० सी० क्यू० —अतः, मुझे अमर सिंह बिसेन

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 13, 14 है तथा जो जापलिंग रोड लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-77

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

एक किता प्लॉट न० 13,14 में से एक प्लॉट जिसका रकबा 4439 वर्गफीट है जो कि जापलिंग रोड लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 3-12-77

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 77

निवेदन 17-टी०/ए० सी० क्यू०—अतः, मुझे, अमर सिंह

बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या 13, 14 है, तथा जो जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री कुंवर विश्वाजीत सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री त्रिलोकी भूषण दास

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

एक किता प्लेट नं० 13, 14 में से एक प्लेट जिसका रकब 7084 वर्गफीट है जो कि जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

(1) श्री कुंवर विश्वाजीत सिंह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गोवर्धन दाम अग्रवाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

(3) विक्रेता।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 77

निदेश नं० 36जी०/ए० सी० एक्यू० --अतः, मुझे अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है,

और जिसकी सख्या 13,14 है, तथा जो जापलिंग रोड-लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए धरा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि कानून में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 13,14 का प्लॉट नं० 1 जिसका रकबा 6637.50 वर्ग फीट है जो कि जापलिंग रोड लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3/12/77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर, 1977

निदेश नं० पी०-62/ए०सी०न्यू०.—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 385 वार्ड नं० 5 भरीली बाजार, देवरिया में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, देवरिया में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—396GI77

(1) मैसर्स न्यू सेवान सुगर एण्ड गुड रिफाईनिंग कम्पनी लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) श्री पृथ्वीराज शरोरा डिस्ट्रिक्ट इन्स्पेक्टर आफ स्कूल देवरिया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिला मकान नं० 385 वार्ड नं० 5 स्थित भरीली बाजार, टप्पा देवरिया, परगना सलेम पुर, जिला देवरिया।

उत्तर : सिधी मिल मालिक की निजी सड़क

दक्षिण : श्री बच्ची मारवाड़ी का मकान और बशिया

पश्चिम : उक्त सम्पत्ति की सीमा दीवाल को छुते हुए खुला मैदान जो सिधी मिल का है,

पूरब : देवरिया कसिया रोड।

पैमाईश : भूमि सहित एक मजिला मकान जिसका कुल क्षेत्रफल 14247 स्क्वियर फीट तथा वे सभी विवरण जो सेल डीड तथा फार्म नं० 36 जी संख्या 530 दिनांक 1-4-1977 में वर्णित है जो सब-रजिस्ट्रार देवरिया के कार्यालय में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज लखनऊ

तारीख : 3/12/77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 124/आर०/ए०सी०क्यू०/—अन' मुझे अमर सिंह बिसेन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13, 14 है, तथा जो जापानिग रोड, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्:—

1 श्री कुवर विश्वजीत सिंह

(अन्तरक)

2 श्री रमेश चन्द्र अग्रवाल

(अन्तरिती)

3 विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता प्लॉट न० 13, 14 में से एक प्लॉट जिसका रकबा 4439 वर्ग फिट है जोकि जापानिग रोड, लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्री कुवर विश्वजीत सिंह

(अन्तरक)

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

2 श्री जमुना दास अग्रवाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

3 विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

अर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निदेश सं० 46-जे/ए०सी०क्यू०—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13/14 है तथा जो जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 17-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी डाइरेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट न० 13, 14 में से एक प्लॉट जिसका रकबा 4439 वर्ग फिट है जोकि जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 3-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निदेश सं० एल०-26/ए०सी०क्यू०/—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम-प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 13, 14 है तथा जो जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-5-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुवर विश्वजीत सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री लक्ष्मीचन्द्र अग्रवाल

(अन्तरिती)

(3) विक्रेता ।

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता प्लॉट न० 13, 14 में से एक प्लॉट जिसका रकबा 4439 वर्गफीट है जो कि जापलिंग रोड लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज लखनऊ ।

तारीख : 3-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 दिसम्बर 1977

निदेश नं० 19-एम० / ए० सी० क्यू० :—अतः, मुझे अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी संख्या 13, 14 है, तथा जो जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-5-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री कुंवर विश्वाजीत सिंह

(अन्तरक)

(2) श्री महीपाल सिंह

(अन्तरिती)

(3) श्री विक्रता

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० 13, 14 में से एक प्लॉट जिसका रकबा 4439 वर्गफीट है जो कि जापलिंग रोड, लखनऊ में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 3-12-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर, 1977

निदेश नं० पी०-63/ए० सी० न्यू०—यतः, मुझे, अमर सिंह
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी स० 3, सी-47/90 है, तथा जो ऐबट रोड
(विधान सभा मार्ग) लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 29-4-77 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) कु० जरीन बरजार विकासजी (2) कु० रुखी बरजार
विकासजी (3) श्री मानिक विकासजी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती परमेश्वरी देवी

(अन्तरिती)

(3) कुमारी जरीन विकासजी, कु० रुखी श्री मानिक विकासजी
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

Dilapidated मकान संख्या 3, सी-47/90, 91
एवं 92 ऐबट रोड विधान सभा मार्ग, लखनऊ जैसा कि
मार्ग 37 जी नं० 1342 दिनांक 24-4-77 में तथा सेल डीड
में वर्णित है जोकि चीफ सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय
में दर्ज है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री नवाब सैय्यद मुर्तजा अली खा।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 दिसम्बर 77

(2) श्रीमती साफिया आमक अली खा।

(अन्तरिती)

निदेश नं० 157-एस० / ए० सी० क्यू० ---अतः, मुझे, अमर सिंह बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2-बी/35 है, तथा जो रामपुर बाग, बरेली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिधे तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जुज हिस्सा भूमि मय मकान न० 2-बी/35 जो कि रामपुर बाग सिविल लाइन बरेली में स्थित है।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-12-77
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, धारवाड़

धारवाड़-580004, दिनांक 14 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 196/77-78/अर्जन :—अतः, मुझे डि० सी० राजागोपालन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 270/1, है जो उधार गलि, खासबाग के यहां है में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बेलगाम अन्डर डाकुमेन्ट नं० 2439, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लक्ष्मण गंगाधर भंडारी,
खासबाग, बेलगाम (अन्तरक)

1. श्रीमती पुष्पा देवी रामेश्वर लाल जोषि

2. श्री रामकुमार राजाराम जोषि उधार गलि खासबाग, बेलगाम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पावर लूम फैक्टरी का बिल्डिंग में आफिस रूम कारखोड़ और आउट हाउस, अप्पर गलि खासबाग बेलगाम के यहां है। हाउस नं० 270/1, खुला जगा 4875 स्क्वियर फीट है।

डि० सी० राजागोपालन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, धारवाड़

तारीख : 14-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी एस० डी० रास्ता
सिकन्दराबाद (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर, 1977

सं० आर० ए० सी. 155/ 77-78 ---यन्, मुझे के०
एम० बेकटरामनआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसका आफिस न० 235 है, जो चन्द्रलोक
भवन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख अप्रैल 77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में
सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना:--
—396G1/772. (1) कुमारी एस० आपूरना (2) श्रीमती कौशल्या
देवी घर नं० 3-6-546/5 होमयसनगर, हैदराबाद
(अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 235 बुसरी मजिल सतापर चन्द्रलोक
भवन पर एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री कराई गई
है। दस्तावेज नं० 647/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद
में।के० एस० बेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 156/77-78.—यतः, मुझे, के० एस० बेकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कार्यालय नं० 310 और 311 है, जो चन्द्रलोक भवन में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908) का 16) के अधीन अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी मिकन्दराबाद में
(अन्तरक)

2 श्री ए० बी० प्रताप रेड्डी, प्लॉट नं०-4 डीमलमुडा
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कार्यालय नं० 310 और 311 तीसरी मजिल पर चन्द्रलोक भवन पर एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 651/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय मिकन्दराबाद में ।

के० एस० बेकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख . 7-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 दिसम्बर 1977

म० आर० ए० सी० 157/77-78—यत, मुझे, के० एस०
वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी संख्या कार्यालय नं० 312 और 313 है, जो
चन्द्रलोक भवन में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. स्वास्तिक कन्स्ट्रक्शन कम्पनी एस० डी० रास्ता,
सिकन्दराबाद (अन्तरक)

2. श्री ए० वी० महीपाल रेड्डी, प्लॉट नं०-4 दोमलगुडा,
हैदराबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कार्यालय नं० 312 और 313 तीसरी मजिला पर चन्द्रलोक
भवन पर एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री की गई है
दस्तावेज नं० 652/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद
में।

के० एस० वेंकट रामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 7-12-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० आर० ए० सी० - 158/77-78 :—यत, मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 22-5-68 ता० 71 है, जो चारमीनार में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्त में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री उमाकरन, (2) वीजयकरन उमाकरन न० 2 का अर्दीपति है (3) तेजकरन तमाम रहते है घर न० 8-2-547 बनजारा हील्स हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती बीना देवी पती गुलाबच च हैदराबाद घर 22-5-68 ता० 71 चारमीनार हैदराबाद (अन्तरिती)

(3) 1 बासीत (2) राजकुमार घर न० 22-5-68 ता० 71 चारमीनार हैदराबाद (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मजिला घर न० 22-5-68 ता० 22-5-71 चारमीनार हैदराबाद रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 588/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय अजमपुरा हैदराबाद और जसिक विस्तीर्ण 220 05 वर्ग गार्ड है।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज . हैदराबाद

तारीख : 9-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०— -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ष(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० आर० ए० सी० 159/77-78 :—यतः, मुझे के०
एस० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

जिसकी स० कुल जमीन 5-7-665 है, जो कनटेश्वर रास्ता
नैजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नैजामा-
बाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-4-77

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एम० अन्ननंदय पिता एम० वेकट रमगय्या

(2) श्री एम० शर्मा कनटेश्वर रास्ता नैजामाबाद
(अन्तरक)(2) श्री देवीदाम राय पिता अन्ननतराय मगदी आरमर
तालुक हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन जिसका न० 5-7-665 कनटेश्वर रास्ता
नैजामाबाद विस्तीर्ण है 327-96 वर्ग याडें रजिस्ट्री की गई है
दस्तावेज न० 1745/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में

के० एस० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-12-77

मोहर :

प्राप्ति आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० आर० ए० सी० 160/77-78 --यन., मुझे के० एस० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुल जमीन 7-11-1079/5 है, जो नैजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री शहा गोपालदाम पिता शम्भुवामनदास घर न० 7-6-566 गनदीगनज नैजामाबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती शनवा बाई पती लखमीचन्द घर न० 6-20-52 गुरबनशाबाद रोड नैजामाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सक्षम में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन धोका न० 7-11-1079/5 लाला लक्ष्मपती गनज (परिधीकमपेन्ड) नैजामाबाद रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 1753/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एस० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, हैदराबाद।

तारीख . 9-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

म० आर० ए० सी० न० 161/77-78.—यत, मुझे के०
एम० वेक्टरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 1/4 बाग न० 3/313, 3/914 में है,
जो बड़ा बाजार नैजामाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री डी० पोशम्मा पत्नी स्वर्गीय डी० मलव्या
2 डी० बकशपती पिता स्वर्गीय डी० मलव्या
घर न० 7-7-123 कमार गली नैजामाबाद
(अन्तरक)

(2) श्री पी० सरमीमल पिता लीनगम्मा घर न० 3-11-
33 ओशोकबीडी नैजामाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/4 बाग घर न० 3/913 और 3/914 में और मलगी
नं० 3/915 जिसका विस्तीर्ण 2605 वर्ग यार्ड है बड़ा बाजार
नैजामाबाद में रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 1449/77
उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एम० वेक्टरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-12-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 77

स० आर० ए० सी० नं० 162/77-78 :—यतः, मुझे के०
एस० वेक्टरामन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिनकी स० कुल जमीन नं० 5-7-665 है, जो कनटेश्वर
रास्ता नैजामाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नैजामाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, प्रश्न, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में,
मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीति :—

(1) श्री एम० आन्तदम और एस० शर्मा नं० 5-7-665
कनटेश्वर रास्ता नैजामाबाद में
(अन्तरक)

(2) श्री मुकेश राय पिता गनगधा राय मगई रास्ता
आरमूर तालूक नैजामाबाद
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप, यदि कोई हो, तो

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन जिसका विस्तीर्ण 370 वर्ग यार्ड घर नं०
5-7-665 कनटेश्वर रास्ता नैजामाबाद में है रजिस्ट्री की गई
है दस्तावेज नं० 1430/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद
में।

के० एम० वेक्टरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जुन रेज, हैदराबाद

तारीख : 9-12-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० आर० ए० सी० 163/77-78 —यन, मुझे के० एम० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० 53/2 XVII वाड है, जो गीनीमा कारकाना मादावरम रास्ता अदोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अदोनी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-4-77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रणीतः—

7—396GI/77

(1) एन० रामाराउ (2) एन० सुन्दीन्द्राराय भागीदार है स्त्री परीमला गीनीमा कारकाना यादावरम रास्ता अदोनी।

(अन्तरक)

(2) मैमर्ग दीपक ट्रान्स्पोट एजेन्सी फ़ीनकामा हैदराबाद भागीदार शीवजी पिता बीरजी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्त्री परीमला गीनीमा कारकाना अदोनी नं० 53/2 XVII वाड नं० है विस्तृत 1.94 सेन्टस रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० नं० 621/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय अदोनी आजु बाजु में

पूर्व : टी० जी० गोपाल सेटी, मलीकार्जुन सेटी जमीन है पश्चिम : मेदर ईरनमानम की जमीन।

उत्तर : कारकाना है।

दक्षिण : वेनकट नारायणा की जमीन है।

के० एम० वेंकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रैज, हैदराबाद

तारीख : 9-12-1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 164/77-78.--यतः, मुझे के० एम० वेंकटरामन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सं० 8-3-318/6 है, जो युसुफ गुडा हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कैम्ताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2-4-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्त :--

(1) श्री के० बी० रत्ना शास्त्री कोठुर, वेस्ट गोदावरी है जी० पी० ए० है श्रीमती सी० सीतागम्ममा का, (2) श्रीमती सी० शेषु (3) डाक्टर सी० वेनकटारम्मा (4) सी० राम प्रसाद (5) वार्ड० मर्यावती, (6) सी० सुबाशीनी घर नं० 16-2-677/2 मलकपेट हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री वै० किशनराय केमीकल एक जमीन घर नं० 8-3-318/6 युसुफगुडा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 8-3-418/6 युसुफगुडा हैदराबाद रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 788/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैम्ताबाद हैदराबाद में।

के० एम० वेंकटरामन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज हैदराबाद।

तारीख : 9-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री हबीब शामस घर न० 5-4-701 पुराना कटल मण्डी हैदराबाद

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती अकतर जहान पति अब्दुलरहमान घर न० 107-2 आर० टी० विजयनगर कालोनी हैदराबाद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

स० आर० ए० सी० 165/77-78 —यतः, मुझे के० एम० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी

श्रीर जगकी म० स० 10-3-434 है, जो विजयनगर कालोनी, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद कैंटाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 5-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

राजपत्रकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 10-3-434 विजयनगर कालोनी हैदराबाद रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 796/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);

अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 9-12-1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977।

स० आर० ए० सी० 166/77-78 :—पत्र, मुझे, के० एस० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 11-4-650 लकड़ी का पुल हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैरताबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती महमूद बेगम पति महमद इलयास यैमदी "बैतुलनुर" एम० जनरा के सामने रास्ता न० नं० 1 बनजारा हील हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डाक्टर नुरुद्दीन (2) श्रीमती फेरोज सुलताना जी० पी० ओ० डाकघर सिकीर है घर न० 23-2-141 मोगलपुरा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर न० 11-4-650 लकड़ी का पुल हैदराबाद में है रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 988/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय कैरताबाद हैदराबाद में।

के० एस० वेकटरामन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 9-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री बी० ए० गोविन्दध्या 293 नन्दामुनी गली
तिरुपति ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 दिसम्बर 1977

स० आर० ए० सी० न० 167/ 77-78 ---यत, मुझे,
क० ए० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० टी० ए० न० 485/18 है, जो शान्ती
नगर कालोनी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वीरुपती
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 30-4-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई ऋण आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(2) श्रीमती महालक्ष्ममा भारती कैदवार पति दशरत
नायडु वीररागवपुरम पुनीमनगडु धोपशानपेट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घर न० टी० ए० न० 485 वाई न० 18 शान्तीभार
कालोनी तिरुपति रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज न० 766/71
उप रजिस्ट्री कार्यालय तिरुपति में ।

क० ए० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज : हैदराबाद

तारीख : 9-12-1977

मोहर :

तारीख . 12-12-1977
मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 77

स० आर० ए० सी० 169/77-78 ---यत, मुझे, के०एस०

वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 735/बी० वाई नं० 9 है, जो सान्ता पेट नेलूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नेलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

(1) श्री दारीमी नारायणा पिता गुरुवय्या जीनीवाला गनी नेलूर, (2) पुवेडी तोरुपतय्या पिता रामय्या शान्तापेट नेलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ईमीही मेही लक्ष्मीकान्तय्या पति धोना वेनकाटेश्वरलू कम्तूरी बीटीनगर नेलूर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जागे तब के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मलगी नं० 735/बी० वाई नं० 9 शान्ता पेट, नेलूर, रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 734/77 उपरजिस्ट्री कार्यालय नेलूर में ।

के० एस० वेंकटरामन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रंज हैदराबाद

तारीख : 12-12-77
मोहर .

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर 1977

सं० आर० ए० सी० न० 170/77-78:—यतः, मुझे के०

एस० वेक्टरामन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-2 एफ०-4 पुनर्मापन अधिनियम है जो हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैमर्स असोसियेटेड बिल्डर्स और रीयल एस्टेट एजेंट्स, पार्टनर श्रीमती पुष्पलता पति रतन लाल-तोताराम सागर मल आबिद रास्ता हैदराबाद (अन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेमलता चन्द्रा पति वीनोद चन्द्रा 5-8-4-स्टेशन रोड नामपली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट न० ए०-2 एफ०-4 दूसरा मंजिला पुनर्मापन अधिनियम सं० नं० 5-8-512 बा० 517-सी० श्रीरागली लेन हैदराबाद में रजिस्ट्री की गई दस्तावेज नं० 821/77 उप-रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेक्टरामन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 12-12-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1977

सं० आर० ए० सी० नं० 171/77-78 :—यतः, मुझे के० एस० वेकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से अधिक है

और जिसकी सं० 5-8-322/14 है, जो नामपल्ली हैदराबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-4-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
8—396GI/77

(1) श्री मोहम्मद इब्राहिम (2) मोहम्मद याकुब बाजार गेट हैदराबाद

(अन्तरक)

(2) ग्रामीयन आटो कन्स्ट्रक्शन उमकी चलाने वाले भागीदार मुहम्मद मुकर्रम अली 11-2-21 नामपल्ली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-8-322/14 उपाबाग नामपल्ली हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 883/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एस० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)।

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 दिसम्बर, 1977

स० आर० ए० सी० 172/77-78.—यन, मुझे के० एम०
वेकटरामन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट विस्तीर्ण 400 वर्ग यार्ड है,
जो नामपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 27-4-77।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती कादरी बेगम पति मय्यद मुहम्मद रजवी
घर नं० 7-1-47 सनजीबागुड़ी नगर कालोनी
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती जहीदा बेगम पति एम० मे मजीद 11-2-
1187 नामपल्ली हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कुल जमीन विस्तीर्ण 400 वर्ग यार्ड रेड हील्म नामपल्ली
हैदराबाद में है रजिस्ट्री की गई है दस्तावेज नं० 859/77 उप
रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

के० एम० वेकटरामन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज सोनीपत

रोहताक दिनांक 17 दिसम्बर, 1977

निदेश सं० चण्डीगढ़ /3/77-78.—यतः, मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट न० 10 सैक्टर 16-डी०, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977।

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वेअन्त सिंह पुत्र श्री हरी सिंह मकान न० 59/19-ए० चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री आर० एल० गुग्गुनेजा पुत्र श्री हरकिशन लाल
2. श्रीमति पी० गुग्गुनेजा पत्नी श्री आर० एल० गुग्गुनेजा, मकान न० 1079, सैक्टर 23 चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लॉट जिसका मकान न० 642 सैक्टर 16-डी० चण्डीगढ़ है और जिसका रकबा 524-54 वर्गगज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चण्डीगढ़ कार्यालय में क्रमांक न० 73 मास अप्रैल, 1977 पर दर्ज है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया

सक्षम अधिकारी,

महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज रोहताक

तारीख : 17-12-1977

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

निदेश सं० पी० एन० पी०/1/77-78—यतः, मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं० ई-14, इण्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दीना नाथ पुत्र श्री नन्द स्वरूप पुत्र श्री हरनाम दास, गुड, मंडी, पानीपत ।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री भगवान दास, माथरा दास, ओम प्रकाश पुत्रान श्री चिरन्जी लाल मार्फत भोजा राम चिरन्जी लाल कमीशन एजेंट, मंडी पदमपुर (राजस्थान) या मै० ओम दाल एण्ड आयल मिल ई-14, इण्डस्ट्रियल एरिया, पानीपत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संशुद्धीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

फैक्टरी बिल्डिंग न० ई-14, इण्डस्ट्रियल एरिया पानीपत जिसमें दाल प्लाट शीड, गोदाम और कार्यालय ब्लॉक हैं और जिसका रकबा 2502.5 वर्गगज है ।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता कार्यालय पानीपत के रजिस्टर पर क्रमांक 7106 (फरवरी, 1977) तथा 11 (अप्रैल, 1977) में दिखाई गई है ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 19-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 दिसम्बर 77

निर्देश सं० जगाधरी/8/77-78—यन., मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका रकबा 85' × 165' है तथा
जो तेजली, तहि० जगाधरी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति अलीवना वार्डलट दत्ता धर्मपत्नी श्री
डब्ल्यू० दत्ता निवामी मापरी तहि० जगाधरी
(अन्तरक)

(2) 1. श्री शिव कुमार पुत्र श्री निहाल चन्द्र
2. श्रीमति मधू पति श्री ओम प्रकाश निवामी 1309
गुरुद्वारा गेपर मिल्स के नजदीक यमुना नगर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संव्रध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका रकबा 85' × 165' है और तीन ओर
में दीवार से घिरी हुई है जिसमें एक चौकीदार का कमरा है और
गांव तेजली, तहि० जगाधरी में स्थित है।

"सम्पत्ति जमे के रजिस्ट्री न० 580 में दी है और रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय में 23-5-1977 को जगाधरी में
दरज की गई।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 19-12-1977
मोहर .

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 19 दिसम्बर 1977

निदेश सं० जगाधरी /9/77-78 —अतः, मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जो के 75'×185' है तथा जो
तेजली तह्नि जगाधरी में स्थित है (और इसमें उगावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख मई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधिन निम्नलिखित गतिवियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति अलविता बाईलट दत्ता पति डब्ल्यू० दत्त
निवासी मापरी, जगाधरी।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री मोहन लाल

2. श्री वरुण कुमार

3. श्री केवल कुमार पुत्रान श्री वरुण दाम निवासी
मकान न० 309, जनता स्ट्रीट नजदीक जोगिन्द्र
मार्किट, यमना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करूँ पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका रकबा 75'×175' है तीन ओर से दिवार
के साथ घिरा हुआ है, और गांव तेजली तह्नि जगाधरी में
स्थित है।

“सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्री न० 588 में दी है और जो
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जगाधरी के कार्यालय में 23-5-77
को दर्ज की गई।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 19-12-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निदेश सं० लुधियाना /यू०/4/ 77-78 :—अनं, भुझे,
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० बी०-XXIII/13 प्लॉट नं० 97-ए० है, तथा जो इन्डस्ट्रीयल एरिया है में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती राजरानी, पत्नी श्री जुगल किशोर निवासी 486/1 पुराना बाजार, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स राजस्थान वूल एजेंसी 97-बी० इण्डस्ट्रीयल एरिया, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०/XXIII/13 प्लॉट नं० 97-ए० इण्डस्ट्रीयल एरिया है।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के विलेख नं० 39 अप्रैल, 1977 में दर्ज है।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 दिसम्बर, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० एल० डी० एच०/यू०/14/77-78 :—अन्तः,
मुझे, नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान न० बी०-4/1072 मुहल्ला
सूदाँ है, तथा जो लुधियाना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना।

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

(1) श्री राम मूर्ति पुत्र श्री निरामत राय निवासी मुहल्ला
सूदाँ, मकान न० बी०-4/1072, लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री

1 श्रीमती आशा रानी पत्नी कस्तूरी लाल
2 श्रीमति विद्यावती विधवा बिहारी लाल भार्गव
एम० एस०- होजरी निर्दिष्ट वर्कस पुराना बाजार,
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० बी० 4/1072, मुहल्ला सूदा लुधियाना।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 101, अप्रैल, 1977
में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय में लिखा
है)

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 20 दिसम्बर 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०

(1) श्रीमती गुरदेवी दिलबाग हीगरा, 18, फायर ब्रेड लार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का

भाग 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

(2) श्री स्वतन्त्रा सिंह, आयुक्त, विभागीय पूछताछ हिमाचल प्रदेश, सकटीएट, शिमला।

(अन्तरिनी)

लुधियाना, दिनांक 20 दिसम्बर, 1977

निदेश सं० शिमला/ 10/77-78 —अतः, मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० जायदाद जो कि औटरबोरन, शिमला के नाम से जाना जाता है जिसका क्षेत्रफल 2035 वर्गगज और 4 फुट है जो कि खसरा नं० 241, 241/2, 241/3, 241/4, 241/7 में से 241/बी० एक बना हुआ मकान है जो कि शिमला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शिमला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्रम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिनी (अन्तरिनी) के बीच में अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, कि, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—
9—396GI/77

जायदाद जो कि औटरबोरन शिमला के नाम से जाना जाती है जिसका क्षेत्रफल 2035 वर्ग गज और 4 फुट जो कि खसरा नं० 241/1, 242/2, 241/3, 241/4, 241/7 में से 241/ बी० एक बना हुआ मकान जो कि शिमला में स्थित है)।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के विलेज नं० 169 अप्रैल, 1977 में दर्ज है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 20 दिसम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 दिसम्बर, 1977

निवेश सं० खप्पा/ 2/ 77-78.—यतः, मुझे नत्थू राम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एक मकान जो कि वार्ड न० 3 है, तथा जो खप्पा में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खप्पा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

यतः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) श्री महिन्द्र कुमार चौधरी पुत्र श्री छजू राम निवासी खप्पा कला मार्फत लक्ष्मी जिनिंग मिलज खप्पा।
(अन्तरक)

(2) सर्वश्री

1. श्री मदन मोहन राय पुत्र अमरीक राय
2. श्रीमती सत्या देवी पत्नी मदन मोहन राय निवासी खप्पा।

मार्फत लक्ष्मी जिनिंग मिलज, खप्पा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जो कि वार्ड न० 3 खप्पा कला में स्थित है।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता के विलेख न० 219, मई, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खप्पा के कार्यालय में लिखा है)।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 20 दिसम्बर, 1977
मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०- - - - -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 20 दिसम्बर, 1977

निर्देश न० शिमला /1/77-78 —अन, मुझे नरथू राम ।
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० जायदाद जो श्री रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी है तथा
जो शिमला से विलेख नं० 108 अप्रैल, 1977 में दर्ज है ।

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 1908 का 16)) के अधीन तारीख को
दिनांक अप्रैल, 1977 शिमला

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1 श्री किरपाल सिंह पुत्र श्री आर० बी० सरदार शेर सिंह
टोरटीयम स्ट्रीट शिमला-2

वर्तमान पता —मारफत कमान्डर आई० एस, पेटल
470/2-सर्विस आफिसर्स फूल कलेव, सरदार पटेल
मार्ग नई दिल्ली । (अन्तरक)

2 श्री इन्द्रजीत कालरा, पुत्र श्री बन्नी नाथ कालरा 76-
लोयर बाजार, शिमला ।

3 सर्व श्री (i) के० के० चोपड़ा (ii) चम्बा (iii)
(IV) पाम्बा (V) कम्बला निवासी टोरटीयम
स्ट्रीट शिमला ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति
संपत्ति है) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निहित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

जायवाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के विलेख
108 अप्रैल 1977 में दर्ज है ।

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 दिल्ली 1

नई दिल्ली, दिनांक 20 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० / ए० य० / 1/एस० आर०-III/
4/अप्रैल-1 (4)/77 78 —4614—अतः मुझे जे० एम० गिल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि रखावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० एच० एम० -22 है, तथा जो कैलाश कालोनी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन-
तारीख 13-4-1977

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-
धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

(1) श्री एस० सम्पूर्ण सिंह ओबराय, सुपुत्र श्री जयदेव
सिंह ओबराय, निवासी बी०-4/138, सफदरजग
एन्कलेव, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राम बुलारी भुटानी, पत्नी श्री (केशोरी) लाल
भुटानी, निवासी ई०-34 डी, ग्रेटर कैलाश-1, नई
दिल्ली।

(अन्तरिती)

(3) मै० कैलाश डिपाटमेंटल स्टोर्स (2) श्री चमन लाल
(3) श्री कृष्ण मरघाणा (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धांधला—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त रखावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

एक मजिला मकान जिसका मूल्यांकन न० एच० एस-22
है, 239/1/10 बर्गज (199 88 वर्ग मीटर) क्षेत्रफल के
प्लॉट पर बना हुआ है, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली में निम्न
से स्थित है :—

पूर्व . सड़क तथा पार्क
पश्चिम . सड़क लेन
उत्तर . एच० एस०-21
दक्षिण . रोड

जे० एस० गिल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 20-12-1977

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

भुवनेश्वर, दिनांक 17 दिसम्बर 1977

निर्देश सं० 61/77-78/ आई० ए० सी० (ए०/ आर०)

भुवनेश्वर '—अतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो मौजा—बड़गड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुवनेश्वर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन. अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती सत्यभामा देवी, स्वामी भागवत बारिक (अन्तरक)

(2) श्री विपिन बिहारी खमारी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्पन्न व्यक्ति पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और मकान मौजा—बड़गड़, भुवनेश्वर में स्थित है वह सम्पत्ति भुवनेश्वर सबरजिस्ट्रार ऑफिस में 30-3-77 तारीख से रजिस्ट्रार हुआ ; जिसके डाकुमेट न० 2098 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख 17-12-77

मोहर

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 1st December 1977

No. A.32014/1/77-Admn.III(1).—In continuation of this office notification No. A.32011/1/77-Admn.III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 12-11-77 to 29-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/77-Admn.III(2).—In continuation of this office notification No. A.32011/1/77-Admn.III dated 1-10-77, the President is pleased to appoint Shri B. R. Basra, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the Service for a further period from 20-11-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

The 2nd December 1977

No. A.12025/2/76-Admn.I.—In pursuance of the Department of Personnel and Administrative Reforms' OM No. 9/14/76-CS(II) dated 14-11-1977, the President is pleased to appoint Shri M. L. Khanduri, a permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) to officiate as Senior Personal Assistant (Grade B of CSSS) in the same cadre in the office of the Union Public Service Commission with effect from 17-11-1977 (FN) until further orders.

The appointment of Shri Khanduri will, however, be subject to the decision of Civil Writ Petition No. 284 of 1975 pending in the Delhi High Court.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 8th December 1977

No. F.2/9/77-Estt(CRPF)/PERS II.—The President is pleased to sanction proforma promotion to Shri R. K. Mehra, Commandant (CRPF) presently on deputation to the ITBP, to the rank of DIG in the CRPF with effect from 15-9-1977 (AN).

C. CHAKRABORTY,
Director

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 14th December 1977

No. O II-142/76-Estt.—Consequent on his repatriation to the Army, Major D. S. Thapa handed over charge of the post of Asstt. Commandant 3rd Signal Bn, CRPF Rampur on the forenoon of 23rd November 1977.

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.)

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 5th December 1977

No. E-38013(3)/9/77-Admn.—On transfer Shri P. K. Lahari relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Alloy Steel Plant Durgapur with effect from the afternoon of 6th October 1977.

I. S. BISHT,
Inspector General/CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 9th December 1977

No. P/P(35)-Ad.I.—In continuation of this office notification of even number dated 23-1-1976 the President is pleased to extend the ad-hoc appointment of Shri K. N. Pant, a permanent Hindi Translator in the Secretariat of Election Commission of India, as Hindi Officer in the office of the

Registrar General, India by transfer on deputation upto 31st December, 1977, with effect from 17th January, 1977, or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The headquarters of Shri Pant will continue to be at New Delhi.

The 12th December 1977

No. 25/8/73-RG(Ad.I)—On his retirement from Government service under the Government of Orissa, on attaining the age of superannuation, Shri B. Tripathi, relinquished charge of the office of Director of Census Operations, Orissa, held by him in an *ex-officio* capacity, with effect from the afternoon of 31st October, 1977.

No. P/I(1)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri A. C. Bal, a member of the Nagaland Civil Service (Class I) Junior Grade, as Deputy Director of Census Operations, Nagaland, on deputation basis, with effect from the forenoon of 12 September, 1977, until further orders.

The headquarters of Shri Bal will be at Kohima.

No. 10/13/76-Ad.I.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Aurelius Pyrtuh, as Assistant Director of Census Operations (Technical), on regular basis, in a temporary capacity, in the office of the Registrar General, India, with his headquarters at New Delhi, with effect from the forenoon of 30th November, 1977 until further orders.

No. P/B(48)-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri E. Rameswamy, Investigator (Social Studies) in the office of the Registrar General, India, as Research Officer (Social Studies) in the same office, with effect from the forenoon of 2-12-1977 to 18-2-1978, on a purely temporary and *ad hoc* basis, vice Shri N. K. Banerjee, Research Officer (Social Studies) granted extra-ordinary leave.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General, India &
ex-officio Deputy Secretary

FINANCE COMMISSION

New Delhi, the 5th December 1977

No. 7.FC-9(6)-A/77.—Shri G. P. Sahni, Economic Investigator by the Seventh Finance Commission has been appointed as Research Officer in the same Commission in the scale of Rs. 700—1300 on the usual deputation terms, with effect from the forenoon of the 3rd December, 1977 until further orders.

P. L. SAKARWAI,
Under Secy

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, GUJARAT

Ahmedabad-380001, the 13th December 1977

No. Estt (A)/GO/3586.—The Accountant General, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint S/Shri M. N. Pillai and V. Rajagopalan Nair (II) permanent members of the Subordinate Accounts Service to officiate as Accounts Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, Ahmedabad with effect from 14-11-77 (FN) and 17-11-77 (FN), respectively until further orders.

K. P. L. LAKSHMANA RAO,
Deputy Accountant General (Admn.)
Office of the Accountant General,
Gujarat, Ahmedabad

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 12th December 1977

No. 6/806/67-Admn.(G)/8609.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Basu, an officer officiating in Grade I of the Central Secretariat Service to officiate as Deputy Chief Controller of Imports and Exports in the office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, with effect from the 1st November, 1977, until further orders.

K. V. SESHADRI,
Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 28th September 1977

No A-19018/264/76-Admn.(G)—On the recommendation of the UPSC, the President is pleased to appoint Shri K. Vasudevan as Assistant Director (Gr. I) (Electronics) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 26th February 1977, until further orders.

2. Consequent upon his appointment as Assistant Director (Gr. I) (Electronics) Shri K. Vasudevan assumed charge of the post in the Small Industries Service Institute, Cuttack with effect from the forenoon of 26th February, 1977.

V. VENKATRAYULU,
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 6th December 1977

No. A-1/1(125)—Shri B. A. Shenoy, Director of Supplies (Grade I of Indian Supply Service) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi expired on 2nd December, 1977

SURYA PRAKASH,
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA
(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 7th December 1977

No 5907/B/13/76/19A.—Shri D. K. Roy Chowdhury, Cost Accountant, Geological Survey of India is appointed as Asstt Cost Accounts Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs 700—40—900—EB—40—1100—50—1300/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 2nd November, 1977, until further orders.

No 5960/B/2181(SKR)/19C.—Dr S. K. Ray, Ex-Chemist (Junior) Geological Survey of India, is declared Quasi-Permanent in the post of Assistant Chemist with effect from the 7th May, 1976

V. K. S. VARADAN,
Director General

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 7th December 1977

No F.11-9/77-AI—On the recommendation of the U.P.S.C., the Director of Archives, Government of India, hereby appoints Miss Meena Kumari Sharma to the post of Archivist (Genl.) on regular temporary basis w.e.f. 26-11-77 (F.N.) until further order

Sign. Illegible
Director of Archives

DIRECTORATE GENERAL ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 6th December 1977

No 4(15)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Niranjan Sinhandra Ghate as Programme Executive, All India Radio Nagpur in a temporary capacity with effect from 21st November, 1977 and until further orders

The 9th December 1977

No. 4(76)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri P. S. Gopalakrishna as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity with effect from 16th November, 1977 and until further orders

The 12th December 1977

No 4(9)/75-SI.—The services of Shri G. S. Hiranyappa officiating Programme Executive, All India Radio, Mangalore were terminated by the Competent authority with effect from the 26th October, 1977

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration,
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 7th December 1977

No. A 12025/9/77-SI.—The President is pleased to appoint Shri Yogendra Kumar Aggarwal, presently working on *ad hoc* basis as Deputy Assistant Director General (M.S.) in the Government Medical Store Depot, Gauhati, on a regular basis in a temporary capacity to the same post in the said Depot w.e.f. the forenoon of the 16th November, 1977.

SANGAT SINGH,
Deputy Director Administrations (Stores)

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION
(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Nagpur, the 8th December 1977

No. F 3(13)/57/76-DII—In exercise of the powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification No. 174-Cus, dated the 26th December, 1964, I hereby authorise Shri R. V. Kothre, Assistant Marketing Officer, to issue Certificate of Grading from the date of issue of this notification in respect of Animal Casings, Wool, Bristles and Goat Hair which have been graded in accordance with the Animal Casings Grading and Marking (Amendment) Rules 1975, Wool Grading and Marking (Amendment) Rules 1977, Bristles Grading and Marking Rules 1975 and Goat Hair Grading and Marking (Amendments) Rules 1962 and export of which is subject to the provision of the above mentioned notifications

J. S. UPPAL,
Agricultural Marketing Adviser

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 4th November 1977

No 5/1/77/Estt II/4663—On transfer from the Rajasthan Atomic Power Project, Shri Venkatachari Rajagopalan, a permanent Selection Grade Clerk and officiating Asstt. Personnel Officer in that Project is appointed as an officer in the Asstt. Administrative Officer's Grade (Rs 650—960/-) in the Bhabha Atomic Research Centre in an officiating capacity w.e.f. the forenoon of October 26, 1977 until further orders.

V. M. KHATU,
Dy Establishment Officer
For Controller

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 24th November 1977

No PPED/3(236)/77-Adm 15772.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint Shri T. Premchandran, a temporary Scientific Assistant 'C' of

this Division, as Scientific Officer/Engineer-Grade 'SB' in the same Division, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of August 1 1977 until further orders

B. V. THATTE
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay 400001, the 28th November 1977

No DPS/2/1(25)/77-Est/34670.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints the following persons in the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Assistant Accounts Officers in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960, on an *ad hoc* basis, in the same Directorate with effect from October 1 1977(FN) to December 31, 1977(AN) :—

- 1 Shri Nelluvar Harihara Iyer Krishnan, Accountant.
- 2 Shri Jagannath Gopal Sathc, Assistant Accountant.

No DPS/23/8/77-Est/34690.—Director, Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri N. H. Krishnan, Accountant in the Directorate of Purchase & Stores to officiate as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 on an *ad hoc* basis in the same Directorate with effect from 17-9-77(FN) to 30-9-77(AN) vice Shri V. K. Potdar, Assistant Accounts Officer appointed as Accounts Officer—II

B. G. KULKARNI
For Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-600016, the 6th December 1977

No AMD/1/20/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri R. Kameswaran as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders

No. AMD/1/20/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Om Prakash Sahu, as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders

No AMD/1/20/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Swapan Kumar Biswas as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders.

No AMD/1/20/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, hereby appoints Shri Arun Kumar Srivastava as a Scientific Officer/Engineer (Drilling) Grade SB in an officiating capacity in the Atomic Minerals Division, with effect from the 5 October, 1977 Forenoon until further orders

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

ATOMIC POWER AUTHORITY (CENTRAL OFFICE)

Bombay-400019, the 2nd December 1977

No. APA/Adm./16/3/73.—Chairman-cum-Chief Executive, Atomic Power Authority (Central Office), appoints Shri V. R. Rege, a permanent Accountant as Assistant Accounts Officer in the same office in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 18, 1977, until further orders.

R VEERA RAGHAVAN
Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 6th December 1977

CORRIGENDUM

No. E(I)08054—The figures "25th May 1977" occurring in the last line of para 1 of this office Notification No E(I) 08054 dated 6-8-77 may kindly be read as "27th May, 1977"

G. R. GUPTA
Meteorologist

for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, dated the 6 December 1977

No. A 38012/1/77-EC—The following officers of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on the 31-10-77(AN) on retirement from Govt. service on attaining age of superannuation :—

| S. No. | Name & Designation | Station of Posting |
|--------|---|--------------------|
| 1 | Shri C V. Venkatesan, Assistant Director of Communication | Headquarter |
| 2 | Shri M C. Jain, Senior Communication officer | Headquarter |

S D SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director

New Delhi, the 29th November 1977

No. A.32013/1/77-EW—The President is pleased to appoint Shri N. Gopal, Electrical & Mechanical Officer to the grade of Assistant Director (Equipment) in the Civil Aviation Department, New Delhi in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600 with effect from the 29th September, 1977 FN and until further orders

The 6th December, 1977

No. A.32013/9/77-EC—The President is pleased to appoint the following Assistant Technical Officers to the grade of Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months with effect from the date of taking over charge of the higher post or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier with effect from the date indicated against each and to post them at the stations indicated against each.—

| S No | Name | Present station of posting | Station to which posted | Date of taking over charge |
|------|------------------------|----------------------------------|---------------------------|----------------------------|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 1 | Shri T.N. Mehta | Controller, CRSD New Delhi | Director RC&DU, New Delhi | 28-9-77 (FN) |
| 2 | Shri S.K. Sharma | ACS Palam | ACS, Palam | 26-9-77 (FN) |
| 3 | Shri S.C. Dureja | ACS Safdarjung Airport New Delhi | ACS, Palam | 26-9-77 (FN) |
| 4 | Shri P.S. Venkataraman | ACS, Nagpur | ACS, Nagpur | 28-9-77 (FN) |
| 5 | Shri R.P. Mohindra | RCDU & New Delhi | RCD & U, New Delhi | 22-9-77 (FN) |
| 6 | Shri KNK Poduval | ACS, Bombay | ACS, Bombay | 27-9-77 (FN) |
| 7 | Shri B. Ramakrishna | ACS, Calcutta | ACS, Calcutta | 28-9-77 (FN) |
| 8 | Shri D.P. Agnihotri | CATC, Allahabad | CATC, Allahabad | 30-9-77 (FN) |
| 9 | Shri NRN Iyengar | ACS, Gauhati | ACS, Gauhati | 28-9-77 (FN) |

No A 38012/1/77-FC.—Shri A K Ramaswamy, Assistant Communication Officer, Aeronautical Communication Station, Bhopal relinquished charge of his office on the 31st Oct. 1977 (AN) on retirement from Govt service on attaining the age of superannuation

No A 39012/1/77-EC.—The President is pleased to accept the resignation of Shri V Manuja, Technical Officer in the Office of the Director, Radio Construction & Dev Units, New Delhi with effect from the 12th September, 1977 (A.N.)

The 8th December 1977

No A.32013/1/77-EC.—The President is pleased to appoint Shri S C. Goswami, Assistant Director of Communication (HQ) to the grade of Deputy Director of Communication (HQ) on *ad hoc* basis w.e.f. the 25-10-77 (FN) vice Shri S. M Gupta, Deputy Director of Communication granted earned leave for 49 days w.e.f. the 22-10-77

S. D SHARMA
Dy Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 1st December 1977

No 1/421/77-EST.—The resignation from service of Shri R K Bansal, Temporary Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay has been accepted w.e.f. the afternoon of the 14th October, 1977.

The 18th December 1977

No. 24/7/76-EST.—Shri V. P Singh, Subedar, Directorate General of CRPF, New Delhi is appointed as Security Officer, in an officiating capacity in OCS, VSB New Delhi, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 17th October, 1977 and until further orders

S SREENIVASACHAR
Director General

Bombay, the 5th December 1977

No. 1/412/77-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri P Sreenivasulu, Technical Assistant, Madras (Branch as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 10-5-76 to 11-6-76 (both days inclusive), against a short-term vacancy

M. S KRISHNASWAMY
Administrative Officer,
for Director General

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 7th December 1977

No A-19012/19/77-Adm V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S A. Shah, Senior Research Assistant to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Coimbatore Gauging Division, Coimbatore, Central Water Commission, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis w.e.f. 31-10-77 (FN) upto the end of February, 1978, or till the regular officer in the grade becomes available, whichever is earlier

The 12th December 1977

No A-19012/628/77-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri S P. Mittal, Senior Professional Assistant (Hydro Met.), as Extra Assistant Director (Hydro Met.) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 11th October, 1977 to 9th December, 1977

Shri S P. Mittal assumed charge of the post of Extra Assistant Director (Hydro-Met.) in the Central Water Commission, with effect from 11-10-1977 (FN.)

J K SAHA
Under Secretary,
Central Water Commission.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 9th December 1977

No 27-S/G(9)/73-EC II—Shri K V Ganesan, Superintending Engineer (Vigilance), C.P.W.D., New Delhi, expired on 4th December, 1977

S S P RAU
Dy Director of Administration
For Engineer-in-Chief

CENTRAL RAILWAY

Bombay, the 8th December 1977

No HPB/G/AC/PF/MS—Consequent upon her marriage, Miss Maya Gupta, IRAS Senior Programmer, Central Railway, Bombay VT has intimated her desire to be known in future by the name of Mrs. Maya Yoganand Sinha. This has been agreed to and the name will be registered accordingly in the Books of Administration.

P R. PUSALKAR
General Manager

SOUTH CENTRAL RAILWAY

Secunderabad, the 12th December 1977

No. P 185/GAZ/Mech.—The undermentioned officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers (on probation) are confirmed in Class I/Junior Scale of that Service on South Central Railway with effect from the dates noted against each —

| S.No | Name | Date from which confirmed |
|------|---------------------------|---------------------------|
| 1 | Shri R Ghosh Mazumdar | —6-4-76 |
| 2 | Shri Y. Sivakantahara | —1-5-76 |
| 3 | Shri N. S. Kasturi Rangan | —30-9-76 |
| 4. | Shri Sukhmandu Singh | —19-1-77 |

T M. THOMAS
General Manager

MINISTRY OF WORKS, HOUSING, SUPPLY AND REHABILITATION (DEPTT. OF REHABILITATION) REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION OFFICE OF THE CHIEF MECHANICAL ENGINEER

Jeypore-764003, the 7th December 1977

No P 2/104/77.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri J S. Ahuja, Assistant Administrative Officer in the Office of the Divisional Engineer-IV, Rehabilitation Reclamation Organisation, Shahpura (Distt. Betul-MP) is promoted to the post of Accounts Officer (General Central Service Group 'B') in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 2-12-1977. He is kept on probation for a period of 2 years effective from the said date.

2 Shri J S. Ahuja assumed the charge of the post of Accounts Officer in the Office of the Chief Mechanical Engineer, Rehabilitation Reclamation Organisation at Jeypore, Distt Koraput (Orissa) on the forenoon of 2-12-1977.

M PATTANAIK
Lt Col. (Retd)
Chief Mechanical Engineer

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

In the matter of Companies Act 1956 and of
Sri Dhandayuthapani High School Committee Private Ltd,
Madras-6, the 7th December 1977

No DN/2864/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec (3) of Sec 560 () of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Sri Dhandayuthapani High School Committee Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s The Seenapuram Roadways Private Limited*

Madras-600006, the 13th December 1977

No 4663/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. The Seenapuram Roadways Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Guru Transports Limited*

Madras-600006, the 13th December 1977

No. 5104/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Guru Transports Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s Lakshmi Auto Cycles Limited*

Madras-600006, the 13th December 1977

No 5515/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to Sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Lakshmi Auto Cycles Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

C ACHUTHAN
Asstt Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Rafeeq-Shafeeq Leathers Private Limited*

Madras-6, the 7th December 1977

No DN/7025/560(3)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Rafeeq-Shafeeq Leathers Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Packings & Accessories Private Limited*

Madras-600006, the 9th December 1977

No. 5472/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Packings & Accessories Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

K PANCHAPAKESAN,
Asst Registrar of Companies
Tamil Nadu

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s. Cuddegal Santona Mines Private Limited*

Goa-403001, the 8th December 1977

No. 305/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Cuddegal Santona Mines Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

D. R. GHAROTE
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaji

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Metropolitan Films Private Limited (In Liquidation)*

Jullundur, the 9th December 1977

No G/Stat/560/162/9809.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, that the name of Metropolitan Films Private Limited (In Liquidation) has this day been struck off the Register and the said company is dissolved

S. P. TAYAL
Registrar of Companies
Punjab, HP & Chandigarh.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Naulthiya Financiers Private Limited*

Jaipur, the 13th December 1977

No. STAT/1695.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Naulthiya Financiers Private Limited, Jaipur, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s Liberty Club Limited*

Jaipur, the 9th December 1977

No. STAT/1578.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Liberty Club Limited, Kota, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved

(Sd.) ILLEGIBLE
Registrar of Companies
Rajasthan, Jaipur.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
M/s C.E.I. Electrical Industries Private Limited*

Bombay, the 12th December 1977

No. 14325/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. C.E.I. Electrical Industries Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

SHRI RAM
Registrar of Companies
Maharashtra, Bombay

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400020, the 28th November 1977

No. F 48-Ad(AT)/77-P.II.—Shri M. K. Dalvi, Personal Assistant to Vice-President, Income-tax Appellate Tribunal, (Northern Zone), New Delhi is appointed to officiate as Assistant Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, New Delhi in the leave vacancy in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- with effect from the 14th November, 1977 to 13th January 1978 vice Shri C. L. Bhanot, Asstt Registrar, Income-tax Appellate Tribunal, Delhi Benches, granted leave

The above appointment is *ad hoc* and will not bestow upon Shri M. K. Dalvi a claim for regular appointment in the grade and the service rendered by him on *ad hoc* basis would not count for the purpose of seniority in that grade or for eligibility for promotion to next higher grade.

P. D. MATHUR
President

FORM ITNS—

(1) 1. Shri Dady N J Dady; 2. Khurshed N J. Dady
and 3 Homi N. J. Dady

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mount Blanc Hotels Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 13th December 1977

Ref No AR1/2027-45/APR 77—Whereas, 1, F. J.
FERNANDEZ,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing CS 572 of Malabar & Cumballa Hill Divn situated at Dady Seth Hill (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 18-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCHEDULE as mentioned in the registered Deed No. 982/71/Bom and registered on 18-4-1977 with the Sub-Registrar, Bombay.

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Acquisition Range-I, Bombay
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,

Date : 13-12-77

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 15th December 1977

Ref. No AR-I/2031-47/Apr 77—Whereas, I, F J FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing C.S. 521 of Colaba Division, situated at Arthur Bunder (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 27-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Atursingh Basantrai Sangtani and 2. Bhagwan-singh Basantrai Sangtani.

(Transferor)

(2) Atul Apartments Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

(3) Members of the Society

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. 764/72/Bom and as registered on 27-4-1977 with the Sub-Registrar, Bombay

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Date 15 12-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref No. Acq 23-I-1297(614)/16-6/77-78.—Whereas, I, S C PARIKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot No 19 of Nutan Nagar Coop. Housing Society, situated at Kalavad Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Rajkot on 24-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Yogeshkumar Narendas Badiyani, through power of attorney holder; Shri Hirjibhai Dayabhai Dattani, Rajab Mahal, 144-Maharshi Karve Road, Bombay
(Transferor)
- (2) Shri Nandkishor Uttamlal Mapara; Bank of Baroda, Upleta.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
[Person in occupation of the property]
- (4) Any other person interested in the property
[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building stand on land admeasuring 331-0-0 sq yds bearing Plot No 19, Nutan Nagar Coop. Housing Society, situated at Kalavad Road, Rajkot.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date . 14-12-1977
Seal .

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref No Acq 23-I/1292(615)/11-1/77-78 —Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 92, 93, 103, 104, 105 and 106 Outside Majewadi Gate, Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 23-6-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Mayur Chemicals,
Outside Majewadi Darwaja,
Junagadh

(Transferor)

(2) M/s. Madhav Industries through
Partner : Shri Maganlal Laljibhai
Outside Majewadi Darwaja,
Junagadh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The property consists of old and new godowns, one single storeyed office block, compound wall standing on land admeasuring 3153.65 sq yds. bearing Plot Nos 92, 93, 103, 104, 105 and 106 situated outside Majewadi Gate, Junagadh and as fully described in the sale-deed registered vide Regr. No 815 dated 23-6-77 by registering Officer

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 14-12-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Mohanlal Madhavi,
Power of Attorney Holder
Shri Bala Shanker Girjashanker Trivedi,
Savarkundla.

(Transferor)

(2) Yugantar Coop. Housing Society Ltd.,
President Shri Ramniklal Dayalji,
Secretary Shri Batukdas Sunderdas,
Savarkundla (P No. 364515)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref. No. Acq 23-I-1248(611)/5-6/77-78 —Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

12, Near Mahuwa Road, situated at Near S. T. Workshop, Mahuwa Road, Savar-Kundla, Dist. Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Savarkundla on 21-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 2 Acre & 38 gunthas and bearing Survey No. 12, situated near S. T. Workshop, Mahuwa Road, Savarkundla and as fully described in sale-deed No 682 registered with registering Officer, at Savarkundla.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 14-12-1977

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref. No Acq. 23-J-1340(612)/16-6/77-78 —Whereas, I,
S. C. PARIKH,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and being Nosituated at Dr Yagnik Road, Rajkot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Rajkot on 26-4-1977,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—(1) Shri Madhuben Jayashanker Dwivedi,
C/o. Kirit Jayshanker,
"Pitrusmiti" 3, Jankalyan Society,
Rajkot

(Transferor)

(2) Shri Labhashankar Vajeshanker Trivedi,
Dr Yagnik Road, Rajkot.

(Transferee)

(3) 1 Shri Tanna;
2. Shri Indubhai Vyas
(Person in occupation of the property)Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;
-
-
- (b) by any other person interested in the said
-
- immovable property, within 45 days from the
-
- date of the publication of this notice in the
-
- Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential building standing on land admeasuring
377-7-0 sq yds situated at Yagnik Road, Rajkot, which is
surrounded byEast : 30 ft wide Road
West : Dr. Yagnik Road.
North : 30 ft. wide Road
South : Dr. Yagnik Roadand as fully described in the sale-deed registered vide Regr.
No 796 dated 26-4-77 by registering Officer, Rajkot.S C PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad

Date : 14-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sambal Meghji Khetani,
Sukhpur, Taluka Bhuj.

(Transferor)

(2) Subhashchandra Vallabhdas Ramaiya,
Maherali Chowk, Bhuj (Kutch).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 14th December 1977

Ref. No. Acq.23-1-1341(613)/2-2/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

Survey No 980, Plot No. 13 of Ghanshyam Nagar, situated at Outside Vanlawadnaka, Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhuj on 11-4-1977,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

11—396GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later :

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed residential building standing on land admeasuring 3000 sq. ft bearing S No 980 Plot No. 13, Ghanshyamnagar, situated Outside Vaniya Wad Naka, Bhuj (Kutch) and fully described in the sale-deed registered vide R No 364 April, 1977 by registering Officer, Bhuj

S. C. PARIKH

Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,

Ahmedabad

Date 14-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Chota and Inchharam, sons of Raja Ram,
R/o Vill Badarjuda, P.O. Saraswati Nagar,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th December 1977

Ref. No. Acq/425-A/Saharanpur/77-78/5539.—Whereas I,
R P BHARGAVA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Muzaffarnagar on December 1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (2) Shri Karnail Singh S/o Lahna Singh, Sobha Singh,
Gajan Singh, Richpal Singh,
All sons of Karnail Singh, R/o Vill, Dadupur, Parg.
Gordhanpur, Distt Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated
at village Dadupur, Pargana Gordhanpur, Distt. Muzaffar-
nagar transferred for an apparent consideration of Rs
85,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 9-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rajendra Prasad S/o Lakhl Ram
and Smt. Kiran Gupta W/o Rajendra Prasad,
R/o 4649-A, Dar-yaganj, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Sanjay Kumar and Ajai Kumar (Minors)
Both sons of Rajendra Prasad, Father & Guardian.
R/o 4649-A, Dariyaganj, New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Kanpur, the 10th December 1977

Ref No. Acq/803-A/G. Bad/77-78/5877 —Whereas, I,
R. P. BHARGAVA
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ghaziabad on 1-6-1977
for an apparent consideration which is less
than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such trans-
fer as agreed to between the parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 Part of Plot No. 1,
situated at Kiran Enclave, Model Town, Distt. Ghaziabad,
transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 10-12-1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No. Acq/804-A/G. Bad/77-78/5876.—Whereas I, R. P. BHARGAVA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 2-6-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Ram Bharosey Gupta S/o Rajendra Prasad R/o 4649-A, Daryaganj, New Delhi, Mukhtarr Aam Vikrya Sampatti, Panna Lal Gupta S/o Kali Prasad, R/o 105/21-B, Girish Ghosh Road, Lalwa, Hawrah (Bengal).

(Transferors)

(2) Shri Sanjay Kumar and Ajay Kumar (Minors)
Both sons of Rajendra Prasad, Father & Guardian
R/o 4649-A, Daryaganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 part of Plot No. 1, situated at Kiran Enclave, Model Town, Distt. Ghaziabad, transferred for an apparent consideration of Rs. 31,250/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date 10-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No. Acq/394-A/Kanpur/77-78/5538.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehrapur on March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ayodhya Singh son of Jwala Singh,
R/o Baran, Vill. Pargani, Parg Derapur,
Distt. Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Singh son of Girwar Singh,
R/o Parjani, P.O. Baran, Parg Derapur,
Distt. Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land situated at Vill. Parjani, Pargana, Derapur, Distt. Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 33,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No. Aeq/743-A/Bulandshahar/77-78/5540.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on March 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ganga Prasad son of Bhojraj,
R/o Pratappur, P.O. Khas, Parg. Agauta,
Distt. Bulandshahar.

(Transferor)

(2) Shri Ummad Ali s/o Abdul Shakur,
Shri Yaseen Khan s/o Wali Mohd.,
Shri Shafik Mohd. s/o Mohd. Ishaq,
Shri Suleman s/o Abdul Shakur,
All resident of Vill. Pratappur, Parg. Agauta,
P.O. Khas,
Distt. Bulandshahar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Agricultural Land situated at Vill. Pratappur, Parg. Agauta, Distt. Bulandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 44,660/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 10-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Sarla Pratap,
R/o Dhamarakeerat, Parg. Baran,
Distt. Bullandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Smt. Krishna Devi,
W/o Ch. Shyodan Singh,
R/o Dhamarakeerat, Parg. Baran,
Distt. Bullandshahar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, KANPUR
KANPUR

Kanpur, the 10th December 1977

Ref. No. Acq/745-A/Bullandshahar/77-78/5541.—Where R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bullandshahar on March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
or
(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of agricultural land situated at Vill. Kajipura, Parg. Baran, Distt. Bullandshahar, transferred for an apparent consideration of Rs. 64,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 10-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6

MADRAS-6, the 14th December 1977

Ref. No. 5515/76-77.—Whereas, I, K. PONNAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of Section 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 11/3 C V Raman Road, situated at Madras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. No. 247/77) on 10-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mr J. P. Rayan
22/2 Lazarus Church Street,
Madras-28.

(Transferor)

(2) Mrs Nagarathinammal
No 16/B Second St.,
Gopalapuram,
Madras-86.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Land and building bearing Door No. 11/3 Sir C. V. Raman Road, Mylapore, Madras.

K. PONNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6

Date : 14-12-77,
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1977

Ref. No. ASR/77-78/44 —Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Part of IE-11/R situated at Hide Market ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
—396GI/77

(1) Shri Nirmal Chand Kapur S/o
Sh. Gokal Chand Kapur
R/o 159 Model Town Sonapat

(2) Firm Pargat Singh & Sons R/o Hide Market ASR
through Pargat Singh S/o Dial Singh,

(3) As at S. No. 2 above & tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No IE-11/R situated at Hide Market Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 167 of April 77 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 24-11-1977
Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th November 1977

Ref. No. ASR/77-78/45.—Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Part of IE-11/R situated at Hide Market ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at City Amritsar in April 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chanchal Kapur w/o Sh. N. C. Kapur R/o 159 Model Town Sonapat.
- (2) Firm Pargat Singh & Sons Hide Mkt. ASR through Sh Pargat Singh S/o Sh Dial Singh
- (3) As at S No. 2 above & tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. IE-11/R situated at Hide Mkt. ASR. as mentioned in the regd. deed No. 166 of APR 77 of Registering Authority, City Amritsar

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date . 24-11-1977
Seal ;

FORM ITNS—

(1) Shri Jatinder Aggarwal S/o Kundan Lal Aggarwal
R/o Bompay, Road No. 11.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1977

Ref. No. ASR/46/77-78 —Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No 55-B, situated at R. B. Parkash Chand Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Sadajit S/o Shri Moti Ram, Vijay Kumar, Raman Kumar, Bimal Kumar SS/o Shri Sadajit Aggarwal, R/O H. No. 229/11, Gali Lambo, Kt. Bagh Singh Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55-B, R. B. Parkash Chand Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 188 of April, 1977 of Registry Authority city-Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-12-77
Seal .

FORM ITNS—

(1) Smt. Krishnawati W/o Shri Ram Lal R/o Qila Bhangian, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Ravi Kumar, Rajinder Kumar, Rakesh Kumar SS/o Shri Roshan Lal R/o Kt. Dulo, Amritsar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1977

Ref No ASR/47/77-78—Whereas, I S. K GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Plot No. 4, situated at Garden Colony ASR. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at City Amritsar in April 1977 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(3) As at S. No. 2 above and tenants(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4 Garden Colony near Town Planning Office, as mentioned in the registered deed No. 373 of April, 1977 of Registering Authority, City-Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Amritsar

Date : 12-12-77

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Prem Nath S/o Maya Ram and Smt. Vidya Wati W/o Maya Ram R/o Kt. Khazana, Gali Tallian, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Som Nath S/o Shri Ram Dhan Mal R/o Kothi No 95, Gali No 3, Daya Nand Nagar, Amritsar

(Transferee)

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 12th December 1977

Ref. No. ASR/48/77-78.—Whereas, I S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Dasondha Singh Road, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in April 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the registered deed No. 73 of April, 1977 of Registering Authority, City-Amritsar

S. K. GOYAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 12-12-77

Seal :

FORM ITNS

(1) Baitalpur Sugar Mill,
Deoria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prithvi Raj Arora

(Transferee)

(3) Baitalpur Sugar Mill,
Deoria.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No. P-61/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 385, Ward No. 5 Bharauli Bazar, Deoria situated at Deoria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Deoria on 1-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette on a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No 385, Ward No. 5, situated at Bharauli Bazar, Tappa Deoria, Pargana Salempur Majhauri, Distt. Deoria.

One storeyed house including land measuring 14247 sft.

All details as mentioned in Sale Deed dated 31-3-77 and Form 37G of No. 532 dated 1-4-77 registered in the Office of the Sub Registrar, Deoria.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-12-1977

Seal.

FORM ITNS

(1) Kr. Vishwajeet Singh.

(Transferor)

(2) Smt. Sushma Agarwal.

(Transferee)

(3) Kr. Vishwajeet Singh.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No. 156-S/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land measuring 4439 sqt. in plot bearing Nos 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1567 of 1977 dated 2-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 3-12-1977
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Kr. Vishwajeet Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Trilok Bhushan Dass

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st December 1977

Ref. No 17-T/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at office of the Registering Officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(3) Kr. Vishwajeet Singh.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Plot of land measuring 7084 sft of plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1561 of 1977 dated 1-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 31-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kr. Vishwajeet Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gobardhan Das Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Kr. Vishwajeet Singh.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No 36-G/Acq —Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

13—396GI/77

THE SCHEDULE

Plot of land No 1 measuring 6637 5 sft bearing of plot Nos 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1569 of 1977 dated 2-8-75 & sale deed dated 2-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 3-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s New Sewan Sugar & Gur Refining Co Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Prithvi Raj Aroia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(3) Office of the District Inspector for Schools,
Deoria.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 3rd December 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

Ref. No. P-62/Acq—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 385, Ward No. 5 Bharauli Bazar, Deoria situated at
Deoria

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Deoria on 1-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same mean-
ing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Premises No. 385 Ward 5, situated at Bharauli Bazar,
Tappa Deoria, Pargana Salempur Majhauri, Dist Deoria.

North—Private Road of Sindhi Mill owner.

South—House of Sri Buch Marwari and garden

West—Open land of Sindhi Mill owner touching the
boundary wall of the property sold

East—Deoria—Kasia Road

Measurement One-storeyed house including land mea-
suring 14247 sft

All details as mentioned in the Sale Deed dated 31-3-77
and Form No 37G of No 530 dated 1-4-1977 registered
in the office of Sub Registrar, Deoria

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferee to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957),

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section
(1) of Section 269D of the Said Act to the following
persons namely :—

Date 3-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kr. Vishwajeet Singh

(Transferor)

(2) Shri Ramesh Chandra Agarwal.

(Transferee)

(3) Kt. Vishwajeet Singh.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref. No 124-R/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 169B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 17-5-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 sft in plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow.

And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1557 of 1977 dated 1-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date 3-12-1977

Seal

FORM ITNS

(1) Kt. Vishwajeet Singh.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Sri Jamuna Das Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA(3) Kt. Vishwajeet Singh.
(Person in occupation of the property)**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 3rd December 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette of a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other persons interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref No. 46-J/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 sft. in plot land bearing Nos.
13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow

And all details as mentioned in Form 37G of No. 1561
of 1977 dated 2-8-75 & sale deed dated 2-8-75 admitted for
registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office,
Lucknow.

AMAR SINGH BISEN,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 3-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Kr. Vishwajeet Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Laxmi Chandra Agarwal.

(Transferee)

(3) Kr. Vishwajeet Singh.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref No. L-26/Acq.—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 sqt. in plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow
And all details as mentioned in Form No. 37G of No. 1559 of 1977 dated 2-8-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 3-12-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Kr Vishwajeet Singh.

(2) Shri Mahipal Singh.

(3) Kr. Vishwajeet Singh

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 3rd December 1977

Ref No. 99-M/Acq —Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 13 & 14, Jopling Road, Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4439 sft of plot bearing Nos. 13 & 14 situated at Jopling Road, Lucknow

And all details as mentioned in Form No 37G of No 1565 of 1977 dated 30-7-75 admitted for registration on 17-5-77 by the Chief Sub Registrar Office, Lucknow

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date . 3-12-1977

Seal .

FORM ITNS

(1) Shri Manak Vicajee,
Km. Zarina Burjor Vicajee &
Kum. Ruddi Burjor Vicajee

(Transferor)

(2) Smt. Parmeshwari W/o late Shri Verhomal

(Transferee)

(3) Same as at No 1 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1977

Ref No GIR No P-63/Acq —Whereas, I,
AMAR SINGH BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 3, C-47/90, Abbot Road (Vidhan Sabha Marg,) Lucknow situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 29-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Part of old dilapidated house No 3-C/47/90/91/92, Abbot Road (Vidhan Sabha Marg) Lucknow measuring 204 Smts

All as entered in Form 37G No 1342 I dated 29-4-77 and sale deed registered in the office of Sub Registrar Lucknow

AMAR SINGH BISEN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nawab Sayed Murtaza Ali Khan

(Transferor)

(2) Smt. Shafia Asaf Ali Khan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th December 1977

Ref. No 157-S/Acq—Whereas, I, AMAR SINGH BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2-U/35, Rampur Bag, Civil Lines, Bareilly situated at Bareilly (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Part of land along with house No. 2-U/35 situated at Rampur Bag, Civil Lines, Bareilly.

And all that mentioned in Form No. 37G of No. 182 dated 15-4-77 registered at Sub Registrar Office, Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Laxman Gangadhar Bhandari,
R/o Khasbag, Taluk and Distt Belgaum.

(Transferor)

(2) 1 Smt Pushpadevi Rameswarlal Joshi,
2 Sri Ramkumar Rajaram Joshi,
Uppar Gali, Khasbag, Taluk & District Belgaum

(Transferees)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, DHARWAD

Dharwad, the 14th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later,(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the official
Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Powerloom Factory
Building, Office-room, Car-shed and Outhouse, situated at
Uppar Gali, Khasbag (Belgaum) bearing House No 270/1,
measuring an area of 4875 square feet.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

D. C. RAJAGOPALAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Dharwad.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

14—396GI, 77

Date : 14-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co.,
at 111-S. D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Kumari M. Aporna,
2. Smt. J. Kousalya Devi,
both residing at 3-6-546/5 Himayatnagar,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1977

Ref. No. RAC No. 155/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Office No. 235 situated at Chandralok Complex Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No 235 on the IIInd floor of Chandralok Complex, at S.D. Road, Secunderabad, registered vide document No. 647/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co.,
at S. D. Road, Secunderabad.

(Transfeior)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Sri A. V. Pratap Reddy,
Plot No. 4, Domalguda,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th December 1977

Ref No. RAC. No 156/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No Plot No 310, & 311 situated at Chandralok Complex Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 310 and 311 in IIIrd floor in Chandralok Complex at S. D. Road, Secunderabad, registered vide document No 651/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 7-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Swastik Construction Co.,
at S. D. Road, Secunderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(1) Sri A V Mahipal Reddy,
at Plot No. 4 Domalguda,
Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 7th December 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the respective
persons whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

Ref No. RAC. No. 157/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Office No 312 & 313 situated at Chandralok Complex Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Office No. 312 and 313 in IIIrd floor of Chandralok Complex at S. D. Road, Secunderabad, registered vide document No 652/77 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-12-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref. No. RAC. No. 158/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No. 22-5-68 to 71 situated at Charminar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Azampura, on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1 Sri Uma Karan,
2 Sri Vijaya Karan,
through Power of Attorney,
Sri Umakaran,
3 Tej Karan,
all residing at H. No 8-2-547 at Banjara Hills,
Hyderabad
(Transferor)

(2) Smt. Bina Devi,
W/o Gulabchand,
H No. 22-5-68 to 71 at Charminar,
Hyderabad.
(Transferee)

(3) 1 Basith, 2. Rajkumar, both at H No 22-5-68 to 71 Charminar, Hyderabad.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied building and bearing M. No 22-5-68 to 22-5-71 at Charminar Hyderabad, registered vide Document No 588/77 at the Office of the Sub-Registrar Azamabad Hyderabad and measuring 220.05 Sq Yds

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date . 9-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC No. 160/77-78 —Whereas, I, K. S
VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and
No. 5-7-665 Open plot situated at Kanteshwar Road,
Nizamabad

(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act 1908

(16 of 1908) in the Office of Registering Officer at
Nizamabad on 25-4-1977

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons
namely :—

(1) 1 Sri M. Anandam,
S/o M. Venka Rangaiah,
2 Sri I. S. Sharma,
both R/o Kanteshwar Road,
Nizamabad

(Transferor)

(2) Sri Devidat Rao,
S/o Sri Anantha Rao,
R/o Magdi, Armour-Tq.
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in M No 5-7-665 at Kanteshwar Road,
Nizamabad admeasuring 327.96 Sq. Yds registered vide
document No. 1745/77 at Sub-Registrar Nizamabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC No. 160/77-78.—Whereas, I. K. S. VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Open plot in M No 7-11-1079/5 situated at Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) Sri Shah Gopaldas,
S/o Sri Shah Wamandas,
H No 7-6-566 at Gandhi Gunj,
Nizamabad

(Transferor)

(2) Smt. Shantha Bai,
W/o Sri Laxmichand,
H No. 6-20-52 at Gurba Abadi Road,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot bearing M No 7-11-1079/5 situated at Lala-Laxpathi Gunj, (Mirchi Compound) Nizamabad, registered vide Document No 1753/77 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC No 161/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 1/4th Portion in 3/913/914 Badabazar, situated at Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt D Poshamma,
W/o Late D. Malliah,
2 Sri D. Bjikshpathi,
S/o late D. Malliah,
both residing at H. No 7-7-123 at Kumargalli,
Nizamabad

(Transferor)

2 Sri D. Bjikshpathi;
S/o Sri Linganna,
H No 3-11-33 at Ashok Veedhi,
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th portion in the property M No. 3/913, 3/914 and Tinsed Mulgi, No 3/915 admeasuring 2605 Sq. Yds situated at Bada Bazar, Nizamabad, registered vide Document No 1449/77 in the Office of the Sub-Registrar Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC 162/77-78 —Whereas, I, K. S
VENKATARAMAN,being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaft
referred to as 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs 25,000/- and bearing No.
Open plot in M No 5-7-665, situated at Kanteshwar Road
Nizamabad.(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Nizamabad in April 1977for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act in respect of any
income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

15—396G1/77

(1) Sri M Anandam, and
Sri I. S. Sharma,
both R/o Kanteshwar Road,
Nizamabad

(Transferor)

(2) Sri Mukesh Rao,
S/o Sri Gangadher Rao,
Magdi, Armoor-Tq.
Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —(i) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said act'
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot admeasuring 370 Sq Yds in M. No. 5-7-665
at Kanteshwar Road, Nizamabad, registered vide Document
No. 1430/77 in the Office of the Sub-Registrar NizamabadK S VENKATARAMAN,
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No. RAC.163/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 53/2 XVII Ward situated at Ginning Factory Madhavaram Road, Adoni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adoni on 14-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. N. Rama Rao, 2 N. Sudhindra Rao, both are partners in Sree Parimala Ginning Factory, Madhavaram, Road, Adoni.

(Transferor)

- (2) M/s Deepak Transport Agency, Feelkhana, Hyderabad by its Managing partner Shri Shivji, S/o Virji,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sree Parimala Ginning Factory Adoni, Municipal No 53/2 XVII Ward, admeasuring 1.94 Acs cents registered Vide Document No 621/77 in the Office of the Sug-Registrar Adoni. Bounded on the :

East : Sri T. G. Gopala Setty and Mallikarjuna Setty land
West : Medar Earanmans land
North : Factory standing on the land bounded on Madhavaram Road.
South : Ch. Venkataramappa land.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref. No. RAC.164/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 8-3-318/6 situated at Yousuffguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Khairatabad on 2-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri K. B. Rathna Sastry,
Munsiff Magistrate Kovvur,
West Godavari, Dist. as G.P.A. of
Smt. C. Sitharamamma,
2 Smt C Seshu, 3 Dr. C. Venkataramana,
4 C Ramprasad, 5 Y. Sathyavathy,
shall have the same meaning as given in that
6. C. Subhashini residing at 16-2-677/2
Malakpet, Hyderabad-36

(Transferor)

(2) Sri Y. Kishen Rao, Chemical Examiner,
H. No. 8-3-318/6 Yousuffguda, Hyderabad-45.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing M No 8-3-318/6 at Yousuffguda, Hyderabad, registered vide Document No. 788/77 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No. RAC 165/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 10-3-434 situated at Vijayanagar Colony, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, on 5-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Habib Shams
H No. 5-4-701 at Old Kattalmandi,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Mrs Akhtar Jahan,
W/o Sri Abdul Rahman,
H No. 107-2-RT at Vijayanagar Colony,
Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No 10-3-434 at Vijayanagar Colony, Hyderabad registered through Doc. No 796/77 in the office of the Sub-Registrar Khairatabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 9-12-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC.166/77-78—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-4-650 situated at Lakdikapul, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khairatabad, on April, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt Mahmooda Begum,
W/o Mohd Ilyas Ahmadi,
"Buthul Noor" Adjacent to "M. Jung"
Road-1, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1 Dr Nooruddin, 2. Mrs. Feroze Sultana,
Represented by G.P.A Dr. S. A. Sikora,
H No 23-2-141 at Mogulpura, Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building bearing No. 11-4-650 at Lakdikapul, Hyderabad registered vide Document No. 988/77 in the Office of the Sub-Registrar Khairatabad, Hyderabad.

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-12-1977

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th December 1977

Ref No RAC.167/77-78 —Whereas, I, K S VENKATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. T.S No 485/18 situated at Shantinagar, Colony Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thirupathi on 3-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri V M Govindayya,
293 at Nadamuni Street, Thirupathi
(Transferor)

(2) Smt Mahalakshamma, alias Aare Bharathi,
W/o Sri Dasaratha Naidu,
Veeraraghavapuram, Poonimangadu,
Chingalepet, Dt. (T.N.).
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. TS No. 485 ward No. 18 situated at Shantinagar Colony Thirupathi, registered vide Document No. 766/77 in the Office of the Sub-Registrar Thirupathi.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date . 9-12-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref. No. RAC 168/77-78—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 8-2-268/A2 situated at Banjara Hills, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad, on 29-4-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1 Shri Iqbal Hussain S/o Dildar Hussain,
H No 8-2-268/A2 Banjara Hills, Hyderabad.
2 Sved Mohd. Ali, by GPA Smt Razia Begum,
H No 8-2-405 Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar Agarwal,
Plot No. 73 at Srinagar Colony, Hyderabad
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land admeasuring 1180 Sq. Yds. situated at Jubli Hills, Hyderabad, Plot No. 8-2-268/A2 in survey No. 358, registered vide document No. 1012/77 in the Office of the Sub-Registrar, Khairatabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 12-12-1977
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref. No. RAC 169/77-78 —Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Door No. 735/B Ward No. 9 situated at Santhapet, Nellore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nellore on 11-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Darisi Narayana S/o Guraviah,
Vinigala Street, Nellore
2. Puvadi Thirupathiah, S/o Ramaiah,
Santhapet, Nellore.

(Transferor)

- (2) Immidisetty Lakshmikanthamma, W/o
China Venkateshwarlu,
Kathuridevinagar, Nellore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop room No 735/B ward No. 9 situated at Santhapet, Nellore registered vide Document No 734/77 in the Office of the Sub-Registrar Nellore

K S VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 12-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Associated Builders & Real Estate Agents,
Partner Smt Pushpalata, W/o Sri Ratanlal,
C/o Totaram Sagarmal,
Abid Road, Hyderabad

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Premlata Chandra, W/o Sri Vinod Chandra,
R/o 5-8-4 at Station Road, Nampally,
Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref No RAC 170/77-78.—Whereas, I, K S
VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No A-2F-4 situated at "Poonam Apartment" Abid Road,
Hyderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Hyderabad on 15-4-1977

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the meaning as given in that
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat A-2, F-4, 2nd floor of Poonam Apartments, bearing
M No. 5-8-512 to 517 C, at Chirag Ali lane, Hyderabad,
registered vide Doc. No. 821/77 in the Office of the Joint
Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

16-396GI/77

Date . 12-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1. Sri Mohd. Ibrahim, 2. Mohd Yakoob,
R/o Bazar Ghat Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Asian Auto Consultant,
P/1 Represented by Sri Mohd. Mukatama Ali,
11-2-210 at Public Garden road,
Nampally, Hyderabad

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref No RAC 171/77-78.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No 5-8-322/14 situated at Nampally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 15-4-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No 5-8-322/14 at Umabagh, Nampally, Hyderabad, registered vide Document No. 883/77 in the Office of the Sub-Registrar Hyderabad.

K S VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 12-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th December 1977

Ref. No RAC 172/77-78.—Whereas, I, K S VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot Land 400 Sq Yds situated at Nampally, Red Hills, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 27-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Quadri Begum W/o Syed Mohd. Razvi
H. No. 7-1-47 at Sanjeevaredynagar Colony,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Mrs. Zaheda Begum W/o Dr. M. A. Majeed,
H. No. 11-2-1187 at Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that plot measuring 400 Sq Yds, situated at Red Hills Nampally, Hyderabad, registered vide Doc No. 859/77 with the Joint Sub-Registrar Hyderabad

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date 12-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 17th December 1977

Ref. No CHD/3/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No Plot No 14/16-D, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

(1) Shri Beant Singh S/o
Shri Hari Singh,
House No. 59/19-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Sh. R. L. Gugneja S/o
Sh. Harkishan Lal.
(ii) Mrs. P. Gugneja w/o
Sh. R. L. Gugneja,
Residents of H. No. 1079, Sector 23,
Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Residential plot bearing House No 642, Sector 16-D, Chandigarh. The area of the plot is 524.54 Sq. Yards.
(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No. 73 of April, 1977 in the office of the Sub-Registrar, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 17-12-1977

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 19th December 1977

Ref. No. PNP/1/77-78.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-14, Industrial Area, Panipat situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Dina Nath s/o Shri Nand Sarup s/o Shri Harnam Dass, Gur Mandi, Panipat.
(Transferor)
- (2) S/Shri Bhagwan Dass, Mathra Dass, Om Prakash s/o Shri Churanji Lal c/o M/s Bhoja Ram Churanji Lal, Commission Agents, Mandi Padampur (Rajasthan).
OR
M/s. Om Dal & Oil Mill, E-14, Industrial Area, Panipat.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Commercial property consisting of Dall Mill Plant Shed Godown and office block bearing No. E-14, Industrial Area, Panipat with land area 2502.5 sq yds

(Property as mentioned in the sale deed registered partly at Sl. No 7106 of Feb., 1977 and No 11 of April, 1977 of the Registering Authority, Panipat)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 19-12-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 19th December 1977

Ref. No JDR/8/77-78 —Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Plot measuring 85'×165' situated at Tejli, Teh. Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Alvina Violet Dutta W/o
Sh. W. Dutta,
R/o Mapri, Jagadhari.

(2) (1) Sh. Shiv Kumar s/o Sh. Nihal Chand,
(2) Smt. Madhu w/o Sh. Om Parkash
R/o, 1309-Near Guidwara Paper Mills,
Yamuna Nagar.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 85'×165' bounded by Brick masonry compound wall on three sides alongwith Chowkidar Room, situated at Vill Tejli, Teh. Jagadhari

Property as mentioned in sale deed registration No. 580 dated 23-5-1977 registered in the office of Registering Authority, Jagadhari "

RAVINDER KUMAR PATHANIA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 19-12-1977

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Smt. Alvina Violet Dutta W/o
Sh W Dutta,
R/o Mapri, Jagadhari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) (i) Sh. Mohan Lal
(ii) Sh. Darshan Kumar
(iii) Sh. Kewal Kumar
sons of Sh. Charan Dass
R/o H. No. 309, Janta Street,
Near Joginder Market, Yamuna Nagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 19th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

Ref. No JDR/9/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR
PATHANIA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-
and bearing

No plot measuring 75'×165' situated at Tejli, Teh. Jagadhari
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908), in the office of the Registering Officer at
Jagadhari in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 75'×165' Bounded by Brick Masonary com-
pound wall on three sides, situated at Tejli, Teh Jagadhari
"Property as mentioned in the sale deed registration No
588 dated 23-5-1977 at the office of Registering Authority,
Jagadhari"

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date 19-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Raj Rani, w/o Shri Jugal Kishore,
R/o 486/1, Puiana Bazar, Ludhiana.

(Transferor)

ICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Rajasthan Wool Agencies,
97-B, Industrial Area 'A',
Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref. No. LDH/U/4/77-78.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

House No B-XXIII/ 13, Plot No. 97-A Industrial Area 'A'
situated at Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in April, 1977

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair
market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the trans-
fer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. B-XXIII/13, Plot No 97-A, Industrial Area 'A',
Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 39 of
April, 1977 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 20-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Murti, s/o Shri Niyamat Rai,
R/o Mohalla Sudan, H. No. B-4/1072,
Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/shri
(i) Smt. Asha Rani, w/o Kasturi Lal,
(ii) Smt. Vidya Vati, wd/o Bihari Lal,
c/o M. S. Hosiery Knitting Works, Purana
Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref. No LDH/U/14/77-78 —Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B-4/1072, Mohalla Sudan, situated at Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

17—396GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned, —

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

House No B-4/1072, Mohalla Sudan, Ludhiana
(Property as mentioned in the Registered Deed No 101 of
April, 1977 of the Registering Authority, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 20-12-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Mrs. Gurdevi Dilbagh Dhillon,
18, Fire Brigade Lane,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Swatantra Singh, Commissioner for Departmental Enquiries, Himachal Pradesh Secretariat,
Simla

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 20th December 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref No. SML/10/77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'Otterbourne'-Simla-East measuring 2035 sq. yds. & 4 sq. feet comprised in Khasra Nos 241, 241/2, 241/3, 241/4, 241/7 and 241/B inclusive of a ready built house, situated at Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in April, 1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

'Otterbourne' Simla-East measuring 2035 sq. yds. & 4 sq. feet comprised in Khasra Nos 241/1, 241/2, 241/3, 241/4, 241/7 and 241/B inclusive of a ready built house, Simla.
(Property as mentioned in the registered Deed No. 169 of April, 1977 of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 20-12-1977
Seal

FORM ITNS

(1) Shri Mohinder Kumar Choudhry, s/o
Shri Chajju Ram,
R/o Khanna Kalan, c/o
M/s Laxmi Ginning Mills, Khanna

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (i) Shri Madan Mohan s/o Shri Amrik Rai,
(ii) Smt. Satya Devi, w/o Madan Mohan Rai,
Residents of Khanna.
C/o Laxmi Ginning Mills, Khanna

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref No KNN/2 77-78 —Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. A building house situated in Ward No. 3, situated at
Khanna,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer
at Khanna in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer,
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the
respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter

THE SCHEDULE

A Building House situated in Ward No. 3, Khanna Kalan
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 219 of
May, 1977 of the Registering Officer, Khanna.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 20-12-1977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 20th December 1977

Ref No SML/1/77-78 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As mentioned in the Registered Deed No. 108 of April, 1977 of the Registering Authority, situated at Simla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Kunal Singh, s/o R. B. Sardar Sher Singh, Torrentium Retreat, Simla-2.
Present address —C/o Commander I. S. Pantel, 470/2, Service Officers Enclave, Sardar Patel Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Indrajit Kalra, s/o
Shri Badri Nath Kalra,
76, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

(3) S/Shri
(i) K. K. Chopra
(ii) Champa
(iii) Jhumba
(iv) Pamba
(v) Kambla

Resident of Torrentium Retreat Simla

(4) —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

As mentioned in the Registered Deed No. 108 of April, 1977 of the Registering Authority Simla.

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date 20-12-1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI 1(110001)

New Delhi the 20th December 1977

Ref No IAC/Acq. I/SR III/4/April-1(4)/77-78/4614 --
Whereas I, J. S GILL,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing TS No 2319/P, HS-22, situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-4-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri S Sampuran Singh Oberoi, s/o
Shri Jai Dev Singh Oberoi, r/o
B-4/38, Safdarjung Enclave, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Ram Dulari Bhutani, w/o
Shri Kishori Lal Bhutani, r/o
E-343-D, Greater Kailash-I,
New Delhi
(Transferee)
- (3) 1 M/s Kailash Departmental Store
2. Shri Chaman Lal,
3 Sh. Krishan Sardana

[Person(s) in occupation in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A single storeyed Commercial property bearing Municipal No HS-22 constructed on a plot of land measuring 239/1/10 sq. yds (199.88 sq. mets.) situated at Kailash Colony, New Delhi and bounded as under —

East Road and Park
West Service Lane
North HS-21
South Road

J S GILL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Delhi/New Delhi.

Date 20-12-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Satyabhama Devi w/o Late Bhagabati Barik

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bipin Bahari Khamari

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,

9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 17th December 1977

Ref. No. 61/77-78/IAC(A/R)BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Badgad
(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhubaneswar on 30.1.1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Income-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

The land with building located at Mouza-Badgad, Bhubaneswar under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhubaneswar and registered by sale document No 2098 dated 30-3-77



A. N. MISRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhubaneswar

Date 17-12-1977

Seal :